चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 169 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
12 दिसंबर 2024 गुरुवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
11 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

शीतकालीन सत्र में इंडिया गठबंधन और एनडीए के बीच जबर्दस्त रस्साकशी

अविश्वास, अडानी-सोरोस: संसद में रार हुई धारदार, हंगामा जोरदार

महाराष्ट्र का मामला दिल्ली पहुंचा

महाराष्ट्र में महायुति की सरकार तो बन गई है मगर अभी तक पावर शेयरिंग के फॉर्मूले पर सहमति को अंतिम रूप नहीं मिल सका है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बाद अब आज एनसीपी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुलाकात संसद भवन में हुई। पवार के साथ प्रफुल्ल पटेल भी थे। एनसीपी महायुति सरकार में एक बार फिर वित्त समेत अपने पुराने विभाग लेना चाहती है। माना जा रहा है कि 14 दिसंबर को मंत्रियों की शपथ हो सकती है।

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के शीतकालीन सत्र में जर्बदस्त सियासी गर्मी घुली हुई है। आज भाजपा ने राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान अविश्वास प्रस्ताव का मुद्दा उठाया और पार्टी अध्यक्ष व स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष राज्यसभा के चेयरमैन जगदीप धनखड़ को चीयरलीडर कहता है। उनकी मिमिक्री करता है। कांग्रेस बताती क्यों नहीं कि सोनिया-सोरेस का क्या कनेक्शन है। हालांकि नड्डा के बोलने के दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दो बार उठकर बोलने की कोशिश की लेकिन वो बोल नहीं पाए। हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। उधर संसद परिसर में विपक्ष ने भी अडाणी मामले में सरकार को घेरा व प्रदर्शन किया। दूसरी तरफ लोकसभा शुरू होते ही टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ दिए गए बयान

को लेकर हंगामा हुआ। स्पीकर ओम बिरला ने कहा- कल सदन में जो कुछ हुआ, वह ठीक नहीं था। बनर्जी ने सदन से माफी मांग ली है।

दरअसल संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से सदन में अडानी और सोरोस सहित कई मुद्दों को लेकर हंगामे का दौर देखा जा रहा है। इंडिया गठबंधन की तरफ से अडानी मुद्दे को हवा दी जा रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी अडानी की फोटो छपे बैग के साथ परिसर पहुंच चुके हैं। हाल के दिनों में भाजपा ने संसद में प्रोटेस्ट शुरू किया है। सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आज संसद परिसर में सोनिया और सोरेस का पोस्टर लहराया। वहीं,विपक्षी सांसदों ने 'देश बिकने नहीं देंगे' नारे के साथ संसद में विरोध प्रदर्शन किया तथा अडाणी मामले की जांच जेपीसी जांच कराने की मांग की।ज्ञात हो कि अमेरिका में उद्योगपति गौतम अडाणी समेत 8 लोगों पर धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। इधर भाजपा ने आरोप लगाया है कि सोनिया गांधी ऐसे संगठन से जुड़ी हैं, जो कश्मीर को भारत से अलग करने की वकालत करता है। इस संगठन को जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन से फंडिंग मिलती है। संगठन का नाम फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पेसिफिक है।

उप्र में फिर सियासी सरगर्मी

हाथरस रेप पीड़िता के परिवार से मिलने निकले राहुल गांधी

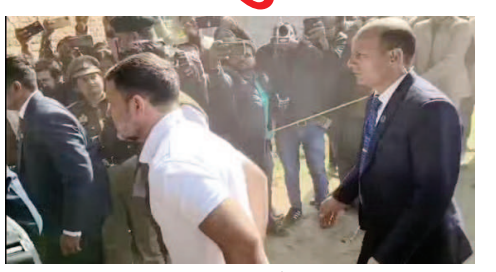

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के दौरे पर रहे। राहुल ने दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मुलाकात की। राहुल ने दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से बंद कमरे में काफी देर तक बातचीत की। इसके बाद वह हाथरस से निकल गए। राहुल के अचानक हाथरस पहुंचने की खबर से एक बार फिर मूलगादी गांव और चंद्रपा थाना चर्चा में आ गया है, जहां की 4 साल पहले एक दलित युवती की मौत ने प्रदेश और देश में सियासी तूफान खड़ा कर दिया था। इससे पहले कल प्रियंका गांधी के साथ राहुल ने संभल हिंसा में मारे गए पांच लोगों के परिवारों से दिल्ली में मुलाकात की थी। इधर उप्र के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राहुल गांधी की हाथरस दौरे पर तंज कसते हुए कहा, राहुल गांधी हताश हैं, उन्हें यह भी नहीं पता कि हाथरस मामले की सीबीआई जांच हो चुकी है और मामला कोर्ट में है। वे यहां अराजकता की आग भड़काना चाहते हैं और लोगों को भड़काना चाहते हैं। ज्ञात हो कि हाथरस मामले में युवती से रेप हत्या व जुबान काटने की घटना सामने आई थी और फिर मौत के बाद पुलिस ने तडके तीन बजे उसका अंतिम संस्कार करा दिया था।

रीवा में बस ओवरब्रिज से टकराई, दो की मौतें

नई दिल्ली, एजेंसी

बीती रात प्रयागराज से सूरत जा रही अजय एयरलाइंस की बस अचानक समान थाना क्षेत्र अंतर्गत बने ओवर ब्रिज से जा टकराई। उक्त दुर्घटना में जहां दो लोगों की मौत हो गई है। हादसे में आधा दर्जन लोग घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक मृतकों में दो पुरुष शामिल है। जिनकी पहचान नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज से बस क्रमांक एआर 20 0928 सूरत जा रही थी।मौके पर से ड्राइवर और कंडक्टर दोनों फरार हो गए हैं। पुलिस ने जहां इलाज के लिए घायलों को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया है।

कुछ भी करो.. मेंटेनेंस तो देना होगा ऐसे आदेशों पर लगेगी लगाम !

सुप्रीम कोर्ट ने तय की गाइडलाइन

नई दिल्ली, एजेंसी

देशभर को मथ रहे अतुल सुभाष खुदकुशी केस ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त आक्रोश है। 34 साल के सुभाष बेंगलुरु में एक प्राइवेट कंपनी में इंजीनियर थे। उन्होंने मरने से पहले 24 पन्ने का नोट लिखा और 80 मिनट का वीडियो संदेश रिकॉर्ड किया जिसमें उन्होंने अपना दर्द बयां किया है। उन्होंने अपनी मौत के लिए पत्नी की प्रताड़ना के साथ-साथ फैमिली कोर्ट की जज को भी जिम्मेदार बताया जिन्होंने कथित तौर पर केस सेटलमेंट के लिए उनसे 5 लाख रुपये की मांग की थी। सुभाष की 5 साल पहले शादी हुई थी और उनका एक 4 साल का बच्चा भी था। फैमिली कोर्ट ने उन्हें बच्चे के गुजारा के लिए पत्नी को हर महीने 40 हजार रुपये देने का आदेश दिया था। पत्नी निकिता सिंघानिया ने उनके और उनके परिवार वालों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न समेत 9 केस दर्ज करा रखे थे। इस मामले को लेकर तलाक केस में तय होने वाली मैंटिनेंस की रकम को लेकर बहस है। अब ताजा मामले में आक्रोश के बीच सुप्रीम कोर्ट ने गुजारा भत्ता तय करने के लिए देशभर की अदालतों को 8 सूत्रों वाला फॉर्मूला दिया है। अदालत ने कहा कि ये सुनिश्चित करना जरूरी है कि स्थायी गुजारा भत्ता की राशि पति को दंडित न करे। ये पत्नी के लिए एक सम्मानजनक जीवन स्तर सुनिश्चित करने के मकसद से बनाई जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों के लिए 8 पॉइंट वाली गाइडलाइंस तय कर दी है, जिसके आधार पर उन्हें गुजारा भत्ता की रकम को तय करना होगा।

शीर्ष अदालत के 8 पैमाने

- पति और पत्नी की सामाजिक और आर्थिक स्थिति
- भविष्य में पत्नी और बच्चों की बुनियादी जरूरतें
- दोनों पक्षों की योग्यता और रोजगार
- आय और संपत्ति के साधन
- ससुराल में रहते हुए पत्नी का जीवन स्तर
- क्या उसने परिवार की देखभाल के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी है?
- जो पत्नी काम नहीं कर रही है, उसके लिए कानूनी लड़ाई के लिए उचित राशि
- पति की आर्थिक स्थिति, उसकी कमाई और गुजारा भत्ता के साथ अन्य जिम्मेदारियां

इंग्लैंड में भारतीय छात्र की मौत, चार घायल

लंदन। पूर्वी इंग्लैंड के लीसेस्टरशायर में सड़क दुर्घटना में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई। हादसे में चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। लीसेस्टरशायर पुलिस ने बताया कि हादसा बीती सुबह हुआ, जिसमें एक कार के खाई में गिर जाने से उसमें सवार चिरंजीवी पंगुलुरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला, दो पुरुष और चालक घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि वाहन चालक (27) को खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया है।पुलिस के मुताबिक, चिरंजीवी पंगुलुरी (32), माजदा-3 तमुरा में सवार होकर लीसेस्टर से मार्केट हार्बरो की ओर जा रहे थे, तभी यह वाहन एक खाई में जा गिरा। सभी आंध्रप्रदेश के रहने वाले हैं।

संगम पर कल गंगापूजन करेंगे मोदी, कुंभ की तैयारी

प्रयागराज। संगम की रेत पर अस्थायी तौर पर बसने वाले महाकुंभ नगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल चार घंटे बिताएंगे। इस दौरान वह गंगा पूजन के साथ दुनिया भर के लोगों को इस अध्यात्मिक नगरी में आने का आमंत्रण भी देंगे। महाकुंभ का आयोजन 13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा। प्रधानमंत्री गंगा पूजन से शुरुआत करेंगे। वे साढे ग्यारह बजे बमरौली एयरपोर्ट पर उतरेंगे। वहां से हेलीकॉप्टर से अरैल जाएंगे। फिर किला घाट से प्रधानमंत्री संगम पहुंचेंगे।

स्कूल के आसपास मंडरा रहा मगरमच्छ, दहशत में बच्चे

तेंदूखेड़ा.दोपहर मेट्रो

नदी से निकलकर एक मगरमच्छ स्कूल के पास लगातार दिखाई दे रहा है। इससे दहशत फैल रही है। अभिभावक जिम्मेदार विभाग के अधिकारियों को सूचना दे रहे हैं लेकिन स्थिति जस की तस है। यह मामला ग्राम कुलुआ का है। जहां शासकीय स्कूल के पीछे एक तालाब है। पिछ्ले साल इस तालाब में एक मगरमच्छ आ गया था जो आकार में भारी भरकम हो गया है। लोग पिछ्ले एक साल से इस मगरमच्छ को नदी में शिफ्ट करने के लिए मांग कर रहे हैं लेकिन वन विभाग और पंचायत ग्राम हर बार इस मामले को अनदेखा कर रहा है। कल भी मगरमच्छ तालाब से निकलकर बाहर आ गया जिसे देखकर वहां के लोग तो इधर-उधर भागे। बाद में मगरमच्छ की फोटो सोशल मीडिया पर डालकर तरह-तरह के कमेंट किए गए। पिछ्ले वर्ष तक इस तालाब में एक मगरमच्छ की पुष्टि हुई थी मगर इस वर्ष दो मगरमच्छ हो गए हैं

और दोनों भारी भरकम है। या आए दिन यह धूप सेंकने के लिए तालाब से बाहर आ जाते है और मगरमच्छों को देखकर आसपास के लोगों में दहशत हो जाती है। इसी तालाब से 100 फुट दूर कुलुआ का शासकीय स्कूल है जहां पर सैकड़ो बच्चे पढ़ाई करते हैं और अवकाश के समय इधर-उधर घूमने चले जाते हैं। अब अभिभावकों को भय है कि बच्चे तालाब के पास न चले जायें।

मेट्रो एंकर

अभिभावकों ने अफसरों से लगाई गुहार

अब न लोग जाते हैं न मवेशी

जिस तालाब मे मगरमच्छ दिख रहा है उस तालाब में ग्राम के लोग पानी लेने जाते थे। दैनिक कार्य उसी पानी से होता था। मवेशी पानी पीने तालाब जाते थे मगर अब लंबे समय से मवेशियों की निगरानी की जा रही है लोगों ने तालाब की तरफ जाना बंद कर दिया है। ब? बुजुर्ग महिला पुरुष भी बहुत कम तालाब के समीप जाते हैं। व्यारमा नदी में बड़ी संख्या में मगरमच्छ का कुनबा और मगरमच्छ मौजूद है । नदी में नहाने के दौरान मगरमच्छ द्वारा कई लोगों पर जानलेवा हमले भी किए गए हैं और एक आठ साल के बच्चे को भी खीच कर पानी में ले गया था। मगरमच्छ का कुनबा और संख्या बढ़ने से ये नकदी नालों से निकलकर रहवासी इलाकों में पहुंचने लगे हैं। तेजगढ़ वन परिक्षेत्र अधिकारी नीरज पांडे का कहना है कि शीघ्र ही रेस्क्यू करवाकर मगरमच्छ को दूसरी जगह पर छोड़ा जायेगा।

कंपकपाई राजधानी

जिले के सभी स्कूल अब नौ बजे के बाद खुलेंगे

कड़ाके की सर्दी से विद्यार्थियों को बचाने जिला शिक्षा विभाग ने स्कूलों के समय में परिवर्तन किया है। सरकारी, सीबीएसई, आइसीएसई सहित सभी स्कूलों में गुरुवार से ये लागू होगा। जहां परीक्षाएं हैं वे अपने तय शेड्यूल के आधार पर होगी। उसमें बदलाव नहीं है। जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार ने बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी किए। सीबीएसई स्कूलों के ग्रुप सहोदय सहित सभी निजी स्कूलों तक इसकी सूचना भेज दी गई। कलेक्टर के निर्देश के तहत जारी आदेश के तहत अब 9 बजे से पहले स्कूल नहीं खोले जा सकेंगे।

सरकारी और निजी में परीक्षाएं: अभी स्कूलों में परीक्षाएं चल रही हैं। सरकारी में नौंवी से बारहवीं तक अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं जारी हैं। ये दो शेड्यूल में है। ये सुबह नौ बजे से शुरू हो रही हैं। वहीं कई निजी स्कूलों में भी परीक्षाएं जारी हैं। यहां टाइमिंग नौ बजे से पहले है। ऐसे में परेशानी बताई गई। इसी के चलते परीक्षाओं के दौरान रियायत दी गई।

सकेंगे। राजधानी में मंगलवार को सर्द हवाएं चली। इसी के बीच सुबह से बच्चे स्कूल जा रहे हैं। जिससे उनके स्वास्थ्य के लिए खतरा है।

दिसंबर में इतनी सर्द रात 9 ठिठुर रहे लोग

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में इन दिनों कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। दिनभर सर्द हवाओं के कारण लगातार तीन दिनों से कोल्ड-डे की स्थिति बनी हुई है। बुधवार को भी शहर सर्द हवा के आगोश में रहा इस दौरान हवा की अधिकतम रफ्तार भी 12 किमी के आसपास तक पहुंची वहीं औसत हवा 8 से 10 किमी के आसपास चल रही है। पिछले दो साल के बाद दिसंबर में इतनी सर्दी पड़ रही है। इसके पहले 2021 में दिसंबर के दूसरे पखवाड़े से इस तरह की सर्दी का दौर शुरू हुआ था। राजधानी में बुधवार को भी तेज सर्दी का दौर जारी रहा। दिन में धूप खिली, लेकिन सर्द हवाओं के कारण दिन में भी लोग सर्दी से बेहाल नजर आए। बुधवार को शहर का अधिकतम तापमान 23.4 और न्यूनतम 6.9 डिग्री दर्ज किया गया, न्यूनतम तापमान में मंगलवार के मुकाबले फिर एक डिग्री की गिरावट आ गई। बुधवार को जहां कोल्ड डे रहा, वहीं शीत लहर की स्थिति भी रही। मौसम विभाग के अनसार अगले चार से पांच दिन तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है, वहीं हवा का रुख उत्तरी रहेगा। इसके कारण सर्दी से ज्यादा राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। दिन में दोपहर के समय जरूरत धूप के कारण थोड़ी राहत मिल सकती है।

शहर में 20 साल से चल रही कुत्तों की नसंबदी, फिर भी राहत नहीं

आयोग ने प्रमुख सचिव को दिए जांच के निर्देश, पूर्व में की गई अनुसंशाओं का पालन कराने से संबंध में रिपोर्ट भी की तलब

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल सहित प्रदेश के 26 मामलों म संज्ञान लिया है। इसमें भोपाल जिले के पांच मामले शामिल हैं। पहला मामला शहर में 20 सालों से शहर में कुत्तों की नसबंदी चलने और फिर भी लोगों को राहत नहीं मिलने का है। मामले में आयोग ने प्रमुख सचिव, नगरीय विकास एवं प्रशासन मंत्रालय को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने आवारा कुत्तों की नसबंदी एवं टीकाकरण के लिए विधि अनुसार एवं एबीसी रूल 2023 के अंतर्गत अपेक्षित व्यवस्थाओं/संसाधनों की उपलब्धता में पर्याप्त समय लगना संभावित होने और इस कारण ऐसे कुत्तों की जनसंख्या बढ़ने और क्षेत्र में उनके काटने से मानव जीवन को हो रही हानि के संबंध में पीड़ितों को प्रतिकर राशि दिलवाये जाने की व्यवस्था कराए जाने के निर्देश भी दिए हैं। आयोग पूर्व में की गई अनुसंशाओं का पालन कराये जाने के संबंध में प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

एबीसी सेंटर बढ़ाने केंद्र से मांगे 15 करोड़: दरअसल, आयोग के संज्ञान में आया है कि राजधानी में रोज डॉग बाइट के 60 से ज्यादा मामले होते हैं। इस समस्या के निराकरण के लिए पिछले 20 सालों से शहर में कुत्तों की नसबंदी चल रही है। अभी भी शहर में 1.20 लाख कुत्ते हैं। हर साल 60 हजार बढ़ जाते हैं, क्योंकि हर साल 20 हजार कुत्तों की ही नसबंदी होती है। हालांकि कई मौकों पर साबित हुआ है कि ये नसबंदी कागजों में ही की जाती रही है। क्योंकि कुत्तों की आबादी कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। इसी साल फरवरी में कोलार के ललिता नगर में नसबंदी के बावजूद फीमेल डॉग ने चार बच्चों को जन्म दिया था। पिछले कई सालों तक नसबंदी का जिम्मा एक ही संस्था को देने पर सवाल खड़े हुए थे। नगर निगम ने अब नसबंदी की क्षमता तीन गुना करने और रैबीज नियंत्रण की अन्य व्यवस्था के लिए केंद्र से 15 करोड़ मांगे हैं। निगम के अनुसार, इसके बाद 2030 तक शहर इस समस्या से मुक्त हो सकता है। शहर को रैबीज फ्री बनाने का प्लान केंद्र सरकार को भेजने के लिए नगर निगम ने विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है।

इन मामलों में भी जवाब तलब: 8 हजार कर्मचारी, दस्ताने-किट 400 भोपाल शहर में नगर निगम (बीएमसी) ने केवल 400 सफाई कर्मचारियों को दस्ताने और किट वितरित किए हैं, जबकि भोपाल में सफाई कार्य में 8 हजार कर्मचारी लगे हुए हैं। बीएमसी कर्मचारियों के अनुसार, काम करने का माहौल सफाई कर्मचारियों को हानिकारक पदार्थों के संपर्क में आने के कारण कई तरह के स्वास्थ्य जोखिमों और बीमारियों का सामना करना प?ता है। आयोग ने मामले में नगर निगम आयुक?त को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही रिपोर्ट भी मांगी है।

मार्केट में जमा सीवेज का पानी

शहर में नदीम रोड स्थित मेन मार्केट से लोगों की आवाजाही इस समय मुश्किल भरी बनी हुई है। यहां जगह-जगह रोड पर ही सीवेज का गंदा पानी जमा है। ऐसे में मार्केट आने वाले लोग इसी गंदे पानी से आवाजाही करने को मजबूर हैं। मामले में आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

गौर ने सवा करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

झील नगर की आबादी को मिलेगी जलभराव और गंदगी से मुक्ति

भोपाल. एजेंसी

अयोध्या नगर मुख्य सड़क से लगी वस्ती झीलनगर की तीन हजार की आवादी को जलभराव और गंदगी से मुक्ति मिलेगी। वस्ती में नाली निर्माण की मांग के मद्देनजर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंखयक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने बुधवार को झील नगर वस्ती में नाली निर्माण का भूमि पूजन किया। उन्होंने नाली निर्माण को 90 दिन की तय समय सीमा से पहले निर्माण पूरा करने के निर्देश निर्माण एजेन्सी को दिए। गौर ने अयोध्या नगर क्षेत्र की वस्तियों में एक करोड 30 लाख रुपए लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया और कहा कि सभी निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरे होना चाहिए। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि जिन कार्यों का उनके द्वारा भूमि-पूजन किया गया है उनका लोकार्पण भी जल्दी होगा। सभी कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ निर्माण एजेंसियों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करना होगा। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों भी प्रगति पर वह स्वयं नजर रखेगी। राज्यमंत्री ने झील नगर में नाली और सी0 सी0रोड, अहिंसा नगर में सी. सी. रोड, अयोध्यानगर हनुमान मंदिर के पास नाली निर्माण और पार्क निर्माण, अयोध्या नगर जी, एच और एल सेक्टर में सड़क डामरीकरण, मारुति विहार डी सेक्टर में नाली निर्माण एवं जे. सेक्टर में पार्क बाउंड्री वाल निर्माण का भूमि-पूजन किया।

आरओबी: तोड़फोड़ के विरोध में आंदोलन, प्रभावित ने दिया धरना, *कहा- पुल बाद में पहले विस्थापन*

हिरदाराम नगर. एजेंसी

फाटक रोड पर सर्विस लेन के लिए चल रही तोड़फोड़ का विरोध तेज होता जा रहा है। बुधवार को व्यापारियों एवं प्रभावित रहवासियों के परिवार ने धरना दिया। पहले विस्थापन, फिर पुल निर्माण की मांग की। 15 फिट सर्विस लेन के लिए तोड़फोड़ का विरोध किया। उपनगर में फाटक रोड व्यापारी संघ के बैनर तले प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों का कहना था, पहले पांच फीट तोड़ने की बात कही थी। आठ से 10 फीट तोड़ फोड़ की जा रही है। 15 फीट तक तोड़ने की बात कहीं जा रही है। ऐसा हुआ था, पूरा परिवार सड़क पर आ जाएगा। हमे मकान के बदले मकान चाहिए। छत छीनने का अधिकार किसी को नहीं हैं। प्रदर्शनकारी परिवारों ने विस्थापन की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में बुजुर्ग भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारी पहले विस्थापन फिर पुल निर्माण, फाटक रोड व्यापारी एकता जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने कहा कि फाटक रोड पर 50 साल रह रहे हैं। रोजी रोटी छीन रही है। बेघर हो रहे हैं। प्रशासन सख्ती से तोड़फोड़ कर रहा है। विस्थापित कर यह होना चाहिए। पुल बने लेकर पहले विस्थापन किया जाएगा। एक बार में बता दिया जाए सर्विस लेन के लिए कितनी तोड़फोड़ होना है। कभी पांच फिट कहा जाता है, कभी 10 तो कभी 15 फिट।

बजरंग सेना समिति की बच्चों को आध्यत्म से जोड़ने की पहल

हिरदाराम नगर, एजेंसी। बजरंग सेना समिति ने गीता जयंती पर लाइफ लाइन स्कूल में गीता एवं ज्वाला कांवेंट स्कूल श्रीराम लेखन पुस्तकाएं विद्यार्थियों को दी। समिति बचपन सनातन के बीज रोपित करने के लिए विद्यालयों में पहुंच रही है। लाइफ लाइन स्कूल में विगत वर्ष की गीता जयंती से छात्रों को गीता के श्लोक पढ़े जाते हैं या याद करवा कर पूछे भी जाते हैं। स्कूल में साप्ताहिक आध्यात्म की स्थापना लगती है, उद्देश्य विद्यार्थियों को अध्यात्म से जोड़ना है। बच्चों को पॉकेट गीता का वितरण किया गया ताकि वे आसान से पवित्र ग्रंथ को ले जा सकें। इस अवसर पर प्राचार्या किरण वाधवानी उपस्थित रहीं।

वहीं ज्वाला कान्वेंट स्कूल में भी स्कूल के प्राचार्य राज बतरा एवं समस्त शिक्षिकाओं की उपस्थिति में बजरंग सेना समिति द्वारा श्री राम-राम लेखन पुस्तक बच्चों को बांटी गई। इस अवसर पर बजरंग सेना के अध्यक्ष कमलेश देवानी ने बताया कि यह सनातन धर्म के प्रति आस्था जागृत करने के लिए यह स्कूलों में अभियान चलाया जा रहा है। पंडित राज कुमार गर्ग एवं समिति के समस्त पदाधिकारीगण मौजूद थे।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 17 जनवरी से

हिरदाराम नगर. नुक्कड़ वाली माता मंदिर पर होने वाली श्रीराम भक्त हनुमानजी की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव 17 जनवरी से 22 तक होगा। आचार्य काशी विश्वनाथ विद्यालय द्वारा शिक्षा दीक्षा अष्ट पुराण प्रवक्ता कथाव्यास आचार्य पण्डित अनिल रुद्र महाराज ने होने वाली प्राण प्रतिष्ठा की जानकारी दी। आचार्यद्वय ने बताया कि 17 जनवरी 2025 प्रातः 09 बजे से सर्व प्रार्यश्रित दशविधि स्नान श्री विष्णु पूजन 9 कन्याओं द्वारा कलश यात्रा, पंचाग पूजन, आचार्य ब्राम्हण वरण, मण्डप प्रवेश, कुर्मकुटी जलाधिवास होगा। 18 जनवरी को सुबह 09 बजे से मण्डपाडं देवता आव्हान पूजनं मूर्ति अधिवासन धन्याधिवास घृताधिवास, शर्कराधिवास, अन्नाधिवास, पुष्पाधिवास, फलाधिवास, सर्वऔषधिवास होगा। 19 जनवरी को सुबह 09 बजे से आवाहित देवता पूजन प्रधान देवता शांतिहोम, वस्त्राधिवास, मूर्तिमहास्नपन, सहस्त्रकलशो द्वारा अभिषेक पूजन होगा। शाम 04 बजे रथयात्रा, नगर भ्रमण, महान्यास, शैयाधिवास होगा। 20 जनवरी को सुबह प्रातः 09 बजे आवाहित देवता पूजन, अभिजितमुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा, यज्ञ, महाआरती होगी 21 जनवरी को प्रातः आवाहित देवता पूजन श्री हनुमत अर्चा सहसपदार्थो द्वारा महा आहूति एवं रामचरित मानस पाठ होगा। 22 जनवरी कन्या भोज, ब्राहम्ण भोज एवं आम भण्डारा होगा। पंडित रवि पटेरिया ने धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने की अपील श्रद्धालुओं से की है।

जुम्बा सेशन आयोजित हुआ

भोपाल. एजेंसी

कैंपफोर्ट पब्लिक स्कूल का संचालन करने वाले नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स ने माता-पिता, परिवार और दोस्तों के लिए एक जोशीला जुम्बा सेशन आयोजित किया। इस सत्र का नेतृत्व जुम्बा ट्रेनर रेनू अदलखा और उनकी टीम ने किया। एनर्जेटिक और एन्थुसिएस्टिक अवार्ड सहित विभिन्न श्रेणियों में प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

मेट्रो एंकर

संत हिरदाराम कॉलेज में हुई दो दिवसीय वर्कशॉप

रोबोटिक्स दुनिया और तकनीक जानी स्टूडेंट्स ने

हिरदाराम नगर. एजेंसी

छात्रों को रोबोटिक्स का उपयोग कर तेजी से बढ़ती दुनिया में प्रासंगिक और कठिन कार्यों को पूरा करने के लिए तकनीकी प्रशिक्षण देने के लिए दो दिनी वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन विद्यालय के भौतिक, गणित, कंप्यूटर विज्ञान विभाग , एमपीसीटीएसटी व रोबोनॉट्स इंडिया द्वारा किया गया। कार्यशाला के उद्घाटन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ डालिमा पारवानी ने कहा कि आधुनिक समय में जीवन को सरल बनाने के लिए तकनीक का निरन्तर विकास हो रहा है। जीवन में अपडेट रहना जरूरी है। प्रथम दिवस के सत्र में विषय विशेषज्ञ अर्पित सोनी और अंशु कुमार हलदर ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। सत्र को हैंड्स-ऑन थ्योरी और प्रैक्टिकल के रूप में विभाजित किया गया। विशेषज्ञों ने आर्दुइनो,आई. डी. इ. प्लेटफॉर्म पर प्रोग्रामिंग और इलेक्ट्रॉनिक घटकों के साथ बेसिक सर्किट डिजाइनिंग की विस्तृत जानकारी दी।

इंफ्रारेड सेंसर मॉड्यूल: कार्यशाला में द्वितीय दिवस प्रतिभागियों को इंफ्रारेड सेंसर मॉड्यूल का परिचय दिया गया। इसमें इंफ्रारेड सेंसर को आर्दुइनो के इनपुट यूनिट के रूप में उपयोग करने, आई.आर. सेंसर का बेसिक सर्किट निर्माण, और आई.आर सेंसर के माध्यम से डी.सी. मोटर को नियंत्रित करने की विधि सिखाई गई। इसके साथ ही तीन और चार पहियों वाले रोबोट संरचना की डिजाइन एवं निर्माण को बताया । इसके साथ ही तीन-पहिया रोबोट बॉडी के निर्माण में डी.सी. मोटर और कास्टर व्हील का उपयोग करते हुए, आर्दुइनो को मोटर ड्राइवर मॉड्यूल, इंफ्रारेड सेंसर और पावर यूनिट से जोड़ने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। दोनों सत्र के अंत में छात्राओं के प्रश्नों का समाधान किया गया।

69 स्टूडेंटस ने लिया हिस्सा: कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों की कौशल परीक्षा आयोजित की गई और सभी को कार्यशाला प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस कार्यशाला में 69 छात्राओं ने विभिन्न महाविद्यालयों, जागरण लेक सिटी यूनिवर्सिटी और कस्तूरबा गर्ल्स कॉलेज आदि से सहभागिता की।

लोक परिवहन की राह में कई खतरे इसलिए सरकार ही चलाएगी बसें

मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा– जल्द करें तैयारी, लेकिन बसों के चलने की तारीखें अभी भी तय नहीं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सरकारी लोक परिवहन को जमीन पर उतारने में कई मुश्किलें हो सकती हैं। सरकार को इसका अंदाजा लग चुका है इसलिए मुख्यमंत्री ने तय किया है कि सरकार के निर्देशन में ही बसें दौडेंगी। इसमें कोई संशय नहीं होना चाहिए। अब अधिकारी इस अनुरूप तैयारी करेंगे और जल्द ही बसों के संचालन की तारीखें तय हो जाएंगी। पांच महीने की माथापच्ची के बावजूद अब तक तारीख तय नहीं है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की बैठक में फाइनल प्लान पर चर्चा की। यह भी पूछा कि सरकार के लिए और जनता के लिए क्या अच्छा रहेगा, किस मॉडल को अपनाना चाहिए। जिस पर अलग–अलग राय आई। मुख्यमंत्री ने कहा– ऐसा करना है कि बाद में कोई कमी न रहे। खासकर जनता को हर दृष्टि से फायदा हो, उसी लाइन पर आगे बढ़ेंगे। कुछ आधुनिक तकनीकी को अपनाने पर अंतिम सहमति बन गई है। जैसे ऑनलाइन निगरानी, ऑनलाइन टिकटिंग पर जोर रहेगा। ताकि बाद में भ्रष्टाचार जैसी नौबत ही न आएं। कर्मचारियों के लंबित भुगतानों को भी सरकार ने ध्यान में लिया और जल्द ही इसका भी निपटारा हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने जून माह के अंत में ली एक बैठक में कहा था कि मप्र में सरकारी लोक परिवहन सेवाओं को मजबूती के साथ आगे बढ़ाएंगे। इसमें कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद से वह लगातार अधिकारियों को सिस्टम बनाने और आगे बढ़ने के निर्देश दे रहे हैं।

ये फायदें–

– ग्रामीण रूटों पर बसें मिलेंगी। स्कूल आने, जाने, ग्रामीण क्षेत्रों से शहर तक जाने वाले रहवासियों को फायदा होगा।
– सरकार भविष्य में इन बसों के जरिए कुछ वर्गों को किराये में सीमित छूट दे सकती है।
– ऐसे रूटों पर भी बसें चलेंगी, जहां मुनाफा कम होगा, लेकिन परिवहन सुविधा जरुरी है। अब ऐसे रूटों पर ध्यान देना छोड़ दिया है। यात्री परेशान होते हैं या फिर जान जोखिम में डालकर रात काटते हैं और दूसरे निजी साधनों से अधिक रूपये खर्च कर आवागमन करते हैं।
– कुछ रूटों पर निजी बस ऑपरेटरों का कब्जा है, वे दूसरों को घुसने ही नहीं देते। ऐसे रूटों पर मनमानी को खत्म किया जाएगा। अधिकारियों द्वारा नए सिरे से रूट आवंटित किए जाएंगे।
– कोरोना जैसी महामारी के समय ऑपरेटर संचालन बंद नहीं कर सकेंगे, सरकार के हाथों में व्यवस्था होने से आम जनता को फायदा होगा।

ऐसे दौड़ेंगी बसें

– सरकार रूट तय करेगी। उस पर बस आपरेटरों से निविदा बुलाएगी। उन्हें फाइलन करेगी और संचालन का जिम्मा दिया जाएगा।
– इन ऑपरेटरों को सरकार की सभी शर्तें माननी पड़ेंगी।
– ये बसें जिले के अंदर, एक से दूसरे जिले तक, एक राज्य से दूसरे राज्यों के बीच चलेंगी।
– मुख्यमंत्री बस संचालन सेवा की निगरानी करने वाली राज्य स्तरीय समिति के अध्यक्ष होंगे।
– जिला स्तर पर कलेक्टर के निर्देशन में निगरानी होगी। पूरी व्यवस्था पर सरकार का होल्ड होगा।
नए में दौड़ेंगी बसें– ये बसें नए साल 2025 में दौड़ेंगी। संभवत- पहले महीने में भी काम शुरू हो सकता है लेकिन प्रक्रिया में समय लग सकता है।

अस्पतालों में उपकरणों की उपलब्धता बनाने के निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

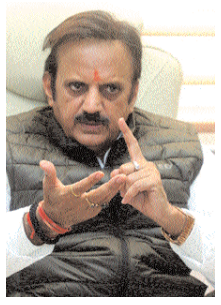

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश के हर क्षेत्र में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अधोसंरचना के विस्तार और अत्याधुनिक उपकरणों की खरीदी के प्रयास तेजी से किए जा रहे हैं। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ये सेवाएं समय पर आम नागरिकों तक पहुंचे। उप मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में प्रदेश के विभिन्न जिला चिकित्सालयों और कैंसर अस्पतालों में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए की जा रही खरीदी प्रक्रिया की समीक्षा की और निर्देश दिये कि अधोसंरचना विकास के साथ-साथ आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को प्रक्रिया की सतत मॉनीटरिंग कर समयसीमा के भीतर उपकरण खरीदी का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने सीटी स्कैन, एमआरआई, कैथलैब, पेट-स्कैन, लाईनैक, और ब्रेकी-थेरेपी जैसे उन्नत उपकरणों की खरीदी प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। शुक्ल ने प्रदेश के चिकित्सकीय संस्थानों में औषधि एवं कंज्यूमेबल की उपलब्धता की समीक्षा में कहा कि उक्त सामग्री आवश्यकतानुसार संस्थानों में उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने ट्रांसफर पोर्टल की तैयारी की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल सुविधाजनक और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। उन्होंने विभागीय स्तर पर पोर्टल को और अधिक दुरुस्त करने के निर्देश दिये ताकि ट्रांसफर प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सभी जनजातीय विकासखंडों में तैयार होंगे एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में 89 ट्राइबल ब्लॉक हैं। इनमें से वर्तमान में 50 ट्राइबल ब्लॉक में ईएमआरएस संचालित हैं। 8 ट्राइबल ब्लॉक में ईएमआरएस के नये भवन निर्माण की स्वीकृति जारी की जा चुकी है। शेष 31 ट्राइबल ब्लॉकस् में ईएमआरएस की स्वीकृति का प्रस्ताव राज्य शासन द्वारा केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय को भेजा जा चुका है। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने विभागीय अधिकारियों को केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय के सतत् सम्पर्क में रहकर शेष 31 जनजातीय विकासखंडों में भी ईएमआरएस की स्थापना के लिये प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिये हैं। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश में संचालित ईएमआरएस के लिये स्वीकृत कुल 3800 शिक्षकों के पदों के विरूद्ध अब तक 2008 शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक पदों पर चयनितों की पदस्थापना की जा चुकी है। चयनित अभ्यर्थियों में से 1790 पदों पर अभ्यर्थियों द्वारा अपनी उपस्थिति भी दे दी गई है। ईएमआरएस के कुशल संचालन के लिये यहां आउटसोर्स पर 39 स्टाफ नर्सेस एवं 4 काउंसलर्स भी रखे गये हैं।

मार्च में होगी ऊर्जा विभाग के 2573 पदों के लिए परीक्षा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

- परीक्षाओं को लेकर सिलेबस एक सप्ताह में वेबसाइट पर अपलोड होगा

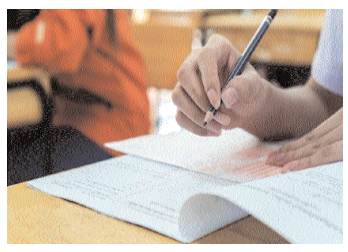

मप्र ऊर्जा विभाग के अधीन विभिन्न छः बिजली कंपनियों में 2573 पदों के लिए हो रही भर्ती के लिए परीक्षा मार्च 2025 में कराने की तैयारी हैं। इसकी तिथि समय रहते घोषित कर दी जाएगी। भर्ती प्रक्रिया की नोडल कंपनी मप्रपक्षेविविकं इंदौर की प्रबंध निदेशक रजनी सिंह ने बताया कि परीक्षा एमपी ऑन लाइन द्वारा ली जाना हैं। इसके फार्म 24 दिसंबर से ऑनलाइन लिए जाएंगे, सभी फार्म जमा होने के उपरांत परीक्षा तिथि की विधिवत घोषणा कर दी जाएगी। प्रबंध निदेशक रजनी सिंह ने बताया कि कंपनी के अधिकारी एमपी ऑन लाइन की टीम से सतत संपर्क में हैं, परीक्षाओं को लेकर जारी सिलेबस भी आगामी एक सप्ताह में वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। विस्तृत जानकारी मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

ऐसे होगें प्रश्न और यह हैं पद

तकनीकी पदों के लिए विषय आधारित और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे जाएंगे, वहीं गैर तकनीकी पदों के लिए सामान्य ज्ञान आधारित प्रश्न पूछे जाएंगे। जिन पदों पर भर्ती हो रही हैं, उनमें कार्यालय सहायक श्रेणी 3, लाईन परिचालक (वितरण), सुरक्षा उप निरीक्षक, कनिष्ठ अभियंता (संयंत्र) मैकेनिकल, कनिष्ठ अभियंता (संयंत्र) इलेक्ट्रॉनिक, कनिष्ठ अभियंता/सहायक प्रबंधक (सिविल), कनिष्ठ अभियंता/सहायक प्रबंधक (ट्रांस./वितरण/संयंत्र-इलेक्ट्रिकल) सहायक विधि अधिकारी/ विधि सहायक आदि शामिल हैं। साथ ही सहायक प्रबंधक (मा.सं.), सहायक प्रबंधक (सू. प्रौ.), संयंत्र सहायक- मैकेनिकल, संयंत्र सहायक (इलेक्ट्रिकल), औषधि संयोजक, भंडार सहायक, कनिष्ठ शीघ्र लेखक, एएनएम, ड्रेसर (पट्टी बंधक), स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, रेडियोग्राफर, ईसीजी टेक्नीशियन, अग्निशामक, सुरक्षा सैनिक, प्रोग्रामर, कल्याण सहायक, सिविल परिचारक इत्यादि शामिल हैं।

आईआईटी रोपड सिखाएगा ड्रोन चलाना

भोपाल। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (जीएसपी) में युवाओं को आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञ सायबर सुरक्षा के तरीके बताएंगे जबकि आईआईटी रोपड़ ड्रोन चलाना सिखाएगा। ये विशेष प्रशिक्षण होंगे, जो युवाओं को देश–दुनिया में रोजगार पाने योग्य बनाएंगे। एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप और कौशल विकास और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल की उपस्थिति में गुरुवार को आईआईटी दिल्ली और आईआईटी रोप के मध्य एमओयू हुआ है। स्किल पार्क पर अब तक 1200 करोड़ खर्च हो चुके हैं। अब यहां चार नए ट्रेड शुरू किए जाने हैं। एमओयू के आधार पर साइबर एण्ड नेटवर्क सिक्यूरिटी, एनीमेशन-मोशन ग्राफिक्स, गेमिंग टेक्नोलॉजी और एआर एण्ड वीआर जैसे एडवांस्ड ट्रेड शुरू किए जाएंगे। ये युवाओं को वैश्विक स्तर की तकनीकी शिक्षा प्रदान करेंगे। साथ ही राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय साइबर एण्ड नेटवर्क सिक्यूरिटी के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता प्रदान करेगा। आईआईटी रोपड़ के साथ समझौते के तहत ड्रोन टेक्नोलॉजी से संबंधित अल्पकालिक पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। इनमें डीजीसीए सर्टिफाइड ड्रोन पायलट ट्रेनिंग और ड्रोन बिल्डिंग जैसे पाठ्यक्रम शामिल होंगे।

जनजातीय विकासखंडों में तैयार हो रहे 94 सीएम राइज स्कूल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने जनजातीय कार्य विभाग के अधीन सभी निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। विभागीय निर्माण कार्यों की गत दिवस समीक्षा करते हुए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि शासन द्वारा जनजातीय विकासखंडों के लिये मंजूर 94 सीएम राइज स्कूल शीघ्रतापूर्वक पूर्ण कर हेण्डओवर कराये जायें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थियों में 21वीं शताब्दी के लिए आवश्यक कौशल के विकास पर बल देती है:. बी शेड्रिक

मप्र भोज मुक्त विवि में कार्यशाला के दूसरे दिन विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की गई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय में जारी कार्यशाला के दूसरे दिन विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की गई। इनमें समूह चर्चा, पैनल चर्चा तथा ऑनलाइन माध्यम से लेक्चर आयोजित किए गए सकार्यशाला में कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया नई दिल्ली के डायरेक्टर डॉक्टर बी शेड्रिंक ने संबोधित करते हुए कहा की नई शिक्षा नीति 2020 में विद्यार्थियों में 21वीं शताब्दी के लिए आवश्यक सभी कौशल के विकास पर सबसे अधिक बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमें 2035 तक उच्च शिक्षा में हमारे सकल नामांकन अनुपात को 50: तक करना है स उन्होंने मुक्त विश्वविद्यालय के संदर्भ में कहा कि इन्हें उन लोगों तक उच्च शिक्षा पहुंचना है जहां तक पारंपरिक विश्वविद्यालय और महाविद्यालय उच्च शिक्षा नहीं पहुंच पाते हैं। आज हमारी इस समाज की और खास तौर से हासिये पर रह गए समाज की सबसे ब?ी आवश्यकता है। उनका कौशल विकास करना है, कौशल उन्नयन करना है और पुनः कौशल विकास करनास उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अंतर विषयक पाठ्यक्रमों और अपने लचीलेपन के लिए तथा विद्यार्थी केंद्रित अधिगम सामग्री के विकास के लिए जाने जाते हैं लेकिन उन्होंने इस बात पर खेद भी व्यक्त किया की कभी-कभी कई प्रकार की विद्यार्थी सेवाओं को ठीक से विद्यार्थियों तक नहीं पहुंच पाती हैं।

रिपोर्ट का हवाला देते हुए मुख्य 10 भविष्य की कौशलों पर चर्चा की: ऑस्ट्रेलिया की ग्रिफिथ विश्वविद्यालय की प्रोफेसर सरोजिनी चॉय ने अपना प्रस्तुतीकरण दियास उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हमें विद्यार्थियों के कौशलों को मापने के तरीके खोजने होंगे। ऐसे तरीके खोजने होंगे जो सभी विश्वविद्यालय में समान रूप से लागू हो सके। हमें इसके लिए नई शब्दावली का भी गठन करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें अंतरराष्ट्रीय आधार पर इस संबंध में प्रयास करने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को यह सीखना आवश्यक है कि उन्हें अलग-अलग स्रोतों से कैसे सीख जा सकता है, क्या सीखना चाहिए इसकी भी उन्हें समझ होनी चाहिए।

संपादकीय

कहां खो रही है स्वस्थ बहस

सघन संवाद की संस्था संसद में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच चला आ रहा लंबा गतिरोध अब जनसामान्य के विषयों को प्रभावित करने लगा है। संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र के करीब दो सप्ताह हो चुके हैं लेकिन दोनों सदन हंगामों के बीच चर्चा के लंबे दौर नहीं चल पा रहे हैं। पिछले सप्ताह भी संसद में कमोबेश ऐसा ही दृश्य रहा। यह सप्ताह भी ऐसे ही जा रहा है। यह स्थिति तब है, जब पिछले सप्ताह सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों में सहमति बनी थी कि सदन में कामकाज को बाधित नहीं होने दिया जाए। यह महसूस किया गया कि सदन ठप होने से कई जरूरी मसलों पर चर्चा नहीं हो पाती। देखा जाए तो यह पॉजिटिव प्रयास था जिससे उम्मीद बंधी कि संसद का यह सत्र शायद स्वस्थ बहस का गवाह बने। खास बात यह रही कि इस दबाव के मद्देनजर कांग्रेस नेतृत्व की रणनीति में भी बदलाव दिखा। अदाणी ग्रुप से जुड़े आरोपों पर जोर देने के लिए सदन में हंगामा करने के बजाय कांग्रेस के लोग सदन के अंदर और बाहर अन्य उपायों से इस मसले की ओर ध्यान खींचने लगे। काले रंग के पोस्टरयुक्त जैकेट पहनने से लेकर मुखौटे लगाने तक अलग-अलग तरीके आजमाए गए। अफसोस की बात यह है कि इन सबसे संसद के अंदर माहौल में कोई खास बदलाव नहीं आया। विपक्ष के आरोप तो अपनी जगह बने ही रहे, सत्ता पक्ष इसके जवाब में कांग्रेस नेतृत्व की कथित भारत विरोधी जॉर्ज सोरोस के संगठन से मिलीभगत के आरोपों को उसी आक्रामकता से उठाता दिखा। नतीजा यह कि संसद में कामकाज सामान्य रूप से चलने की जो संभावना बन रही थी, वह धूमिल हो गई। हालांकि एक वक्त ऐसा भी था, जब हालात अलग थे। जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने एक कूटनीतिक मामले में विपक्ष की मदद ली थी। वाजपेयी ने वामपंथी नेताओं को चाय पर बुलाया और उन्हें इराक में भारतीय फौज भेजने का विरोध के लिए मनाया। अमेरिका इसके लिए सरकार पर दबाव डाल रहा था। वाजपेयी इराक में भारतीय फौज नहीं भेजना चाहते थे, लेकिन साथ ही यह संदेश भी देना चाहते थे कि चूंकि देश में इस कदम का भारी विरोध हो रहा है, इसलिए वह मांग नहीं मान सकते। आज सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ऐसे संबंध की कल्पना नहीं की जा सकती। असल में, लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद के अंदर कामकाज सुचारू ढंग से चलता रहे, यह सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी होती है, लेकिन सत्ता पक्ष पर इसका ज्यादा दायित्व होता है कि वह संसद में गतिरोध दूर करने के लिये प्रयास करे। मगर सत्तापक्ष भी लगातार विपक्ष के आरोपों के जवाब में ही व्यस्त है। इस कडवाहट का नतीजा यह भी हुआ है कि विपक्ष ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिये कमर कस ली है। खास बात यह है कि लोकसभा में कुछ मुद्दों पर विपक्षी दलों में मतैक्य नहीं नजर आ रहा है लेकिन इस मुद्दे पर कमोबेश सभी एक हैं। सात दशक से अधिक समय के इतिहास में यह पहली बार है कि उपराष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास नोटिस आया है। कुल मिलाकर संसद के मौजूदा सत्र को अब आठ दिन बाकी हैं और संसदीय कार्य के बजाए रार के यह नजारे आमजनता के लिये ही नुकसानदेह हैं। यदि सत्तापक्ष और विपक्ष अपनी ताकत रचनात्मक बहस में लगाएं और इसके जरिये अपनी श्रेष्ठता सिध्द करने की कोशिश करें तो ज्यादा श्रेष्ठ माना जाएगा।

ग्लोबल वॉर्मिंग : जलवायु बदलावों की गति थामने को जरूरी गंभीर पहल

■ अभिषेक कुमार सिंह

दुनिया में ऐसा मानने वाले बहुत लोग हैं कि जलवायु परिवर्तन यानी क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वॉर्मिंग सिर्फ हवा-हवाई बातें हैं। इनका हौवा खड़ा करके कुछ पर्यावरणवादी संगठन और गरीब देश धन ऐंठते हैं। हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए दोबारा निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप तो ऐसे ही तर्क देकर जलवायु परिवर्तन थामने वाली पेरिस संधि से बाहर भी हो चुके हैं। इसके अलावा कुछ लोग मानते हैं कि ग्लोबल वॉर्मिंग का कई बार सकारात्मक असर भी होता है। इसका एक उदाहरण उत्तराखंड में सामने आया, जहां तेजी से बढ़ते एक हिमनद यानी ग्लेशियर का पता चला है। भारत-चीन सीमा के नजदीक नीति घाटी में पाया गया यह हिमनद 48 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैला है। हाल तक उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और सिक्किम आदि में हिमनदों के पिघलने, सिकुड़ने और गायब हो जाने की खबरें आती रही हैं। तेजी से बढ़ते ग्लेशियर की सूचना से जलवायु परिवर्तन से जुड़े वे सवाल फिर उठ खड़े हुए हैं कि कहीं सच में ऐसी आपदाओं का फर्जी डर तो नहीं दिखाया जा रहा है। या फिर नुकसान करने की बजाय यह परिवर्तन पृथ्वी के वातावरण में संतुलन बनाने के लिए तो नहीं होता है।

उत्तराखंड में सामने आए हिमनद का पता देहरादून स्थित वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने उपग्रही आंकड़ों और अन्य तकनीकों के जरिए लगाया है। क्या ऐसा जलवायु परिवर्तन के सकारात्मक प्रभावों से हुआ है- इसके जवाब में इन भूवैज्ञानिकों का मत है कि यह विचित्र घटना पर्यावरणीय असंतुलन यानी हाइड्रोलॉजिकल इंबैलेंस का परिणाम है जिसकी वजह से बर्फ की परतें कमजोर हो जाती हैं और वे अस्थिर होकर बड़े इलाके में फैल जाती हैं। बाढ़, सूखे, चक्रवात, भीषण गर्मी या सर्दी समेत तमाम तरह के मौसमी असंतुलन भी जलवायु परिवर्तन की अराजकताओं के नतीजे में पैदा होते हैं। बीते वर्षों में भारतीय उपमहाद्वीप से लेकर कई यूरोपीय देशों ने जैसी भीषण गर्मी और बाढ़ की त्रासदियां झेली हैं, उनमें यह असंतुलन दिखाई दे रहा है। इन्हीं घटनाओं के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस बयान दे चुके हैं कि हमारी पृथ्वी गंभीर किस्म की जलवायु अराजकता की ओर बढ़ रही है।

जलवायु संकटों पर निगाह डालें तो बीते कुछ वर्षों में दुनिया में काफी उथल-पुथल हो गई। हाल के चार वर्षों में कोरोना वायरस के कारण लगे प्रतिबंधों का धरती की जलवायु पर सकारात्मक असर हुआ था। तब उम्मीद की जाने लगी थी कि इन सार्थक तब्दीलियों से सबक लेते हुए पटरी पर लौट रही अर्थव्यवस्थाएं विकास का ऐसा रास्ता चुनेंगी, जिसमें धरती के सुंदर भविष्य की परिकल्पनाएं साकार हो जाएंगी। लेकिन पहले तो अमेरिका-चीन के बीच तनातनी ने माहौल बिगाड़ा व बाद में रूस-यूक्रेन जंग ने। विशेषज्ञों का दावा है कि पिछले जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (ग्लासगो) में जिन बातों को लेकर सहमति बनी थी, उन्हीं की दिशा में बहुत धीमी प्रगति हुई। दूसरी वजह वित्तीय संकट और ऊर्जा के वैश्विक विकल्पों के सीमित होने की घटनाओं से बनी। ये घटनाएं न होतीं तो संभवतः जलवायु परिवर्तन लक्ष्य हासिल करने की राह आसान होती।

विकास बनाम पर्यावरण संकट के रिश्तों की बात करें तो तय है, जैसी धरती हमें सदियों पहले मिली थी, वह हमेशा वैसी नहीं रह सकती। विकास की कुछ कीमत पर्यावरण को अदा करनी ही थी। लेकिन धरती और इसकी आबोहवा औद्योगिक क्रांति के डेढ़ सौ बरस में ही इतना ज्यादा बदल गयी कि वैसा कुछ पृथ्वी पर जीवन के विकास के हजारों साल में कभी नहीं हुआ। चार दशक पहले जिनेवा मेंआयोजित पहले जलवायु परिवर्तन सम्मेलन से मिलती है, जिसमें जुटे विज्ञानियों ने पहली बार जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे मौसमी बदलावों पर औपचारिक रूप से चिंता जताई थी। हाल के वर्षों में जलवायु विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अब अगर जल्द ही जलवायु परिवर्तन से निपटने की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं बनाई गई तो इंसान नामक प्रजाति के विलुप्त होने का खतरा हो सकता है क्योंकि क्लाइमेट इमरजेंसी का वक्त आ पहुंचा है। इसका अंदाजा वर्ष 2022 में पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ व यूरोप के कई देशों में ऐतिहासिक गर्मी पड़ने से नदियों के सूखने से लगता है। जलवायु परिवर्तनों के बदलावों को कई वैज्ञानिक अध्ययनों में दर्ज किया गया है।

ब्रिटेन विश्व में ऐसा पहला देश है जिसने पांच साल पहले 1 मई, 2019 को लंदन में हुए एक आंदोलन के बाद प्रस्ताव पारित करते हुए देश में सांकेतिक तौर पर जलवायु आपातकाल घोषित किया था। मई 2019 में ही आयरलैंड ऐसा करने वाला दूसरा देश बना था जिसकी संसद ने 'जलवायु आपातकाल' घोषित कर दिया था। साथ ही संसद से आह्वान किया था कि आयरिश सरकार जांच करके पता लगाए कि उसकी कौन सी नीतियों के कारण जैव-विवधता को नुकसान पहुंच रहा है और भरपाई के लिए क्या बदलाव किए जाएं। जलवायु आपातकाल लगाने के फैसले के पीछे लंदन में हुए जिस आंदोलन की भूमिका है, उसे वहां जिस समूह ने चलाया था उसका लक्ष्य साल 2025 तक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन सीमा शून्य पर लाने और जैवविविधता के नुकसान को समाप्त करना है। दरअसल पृथ्वी का हम इंसानों ने बेदर्दी से दोहन किया है। रिपोर्टों के मुताबिक, पृथ्वी के वायुमंडल में पहले से ज्यादा जहरीली गैसें और गर्मी घुल गई है। कोई अपवाद छोड़ दें तो इस गर्मी के चलते गंगोत्री और अंटार्कटिका जैसे ग्लेशियर तेजी से पिछल रहे हैं। तितलियों, मधुमक्खियों, मेंढक व मछली प्रजातियों, चिड़ियों, दुर्लभ सरीसृपों और अन्य जीव-जंतुओं की सैकड़ों किस्में हमेशा के लिए विलुप्त हो गई हैं। जंगल खत्म हो गए हैं, पानी का अकाल पड़ रहा है। कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसों की मात्रा काफी ज्यादा बढ़ गई है जिससे सांस लेना दूभर हो गया है। नदियों से भी आस टूट रही है। नदियों के अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। चार-पांच दशकों में धरती की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ, जबकि आह्वान कई बार किए जा चुके हैं। अरबों-खरबों के खर्च के बावजूद वे कोशिशें रंग लाती नहीं दिखीं, जिन पर अमल होने से धरती माता के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार आ जाना चाहिए था।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

शांति एवं शीतलता देने वाला कल्पवृक्ष है गीता

■ ललित गर्ग

गीता ही एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसकी हर साल जयंती मनाई जाती है। प्रत्येक वर्ष मार्गशीर्ष महीने की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को यह पर्व मनाया जाता है। गीता को श्रीमद्भगवद्गीता और गीतोपनिषद के नाम से भी जाना जाता है। कहा जाता है कि महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण के द्वारा अर्जुन को जो उपदेश दिए गए उसे गीता कहा जाता है। गीता के उपदेश में जीवन जीने, धर्म का अनुसरण करने और कर्म के महत्व को समझाया गया है। गीता के उपदेशों का अनुसरण करने से समस्त कठिनाइयों और शंकाओं का निवारण होता है। गीता जयंती श्रीमद्भगवद्गीता के आगमन का शुभ दिन है। श्रीमद्भगवद्गीता दुनिया का सबसे श्रेष्ठ ग्रंथ है। गीता में श्रीकृष्ण के द्वारा बताए गए उपदेशों पर चलने से व्यक्ति को कठिन से कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है। गीता के उपदेश में जीवन को जीने की कला, प्रबंधन और कर्म सब कुछ है। श्रीमद् भगवद् गीता स्वधर्म और कर्तव्य पथ का मार्ग प्रशस्त करती है। यह भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच होने वाला संवाद है।

गीता कई सदियों पुराना ग्रंथ है, इसके हर शब्द में निहित तर्क, ज्ञान, जीवनदृष्टि एवं संसार को देखने एवं जीने का सार्थक नजरिया इसे एक कालातीत, सार्वभौमिक एवं सार्वकालिक मार्गदर्शक बनाता है। भगवद गीता के चिरस्थायी मार्गदर्शक सिद्धांतों को समझने से हमें रोजमर्रा की जिंदगी में कैसे और क्यों की गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। यह एक अलौकिक, अद्भुत एवं कालजयी रचना है, जो हमें हमारी समृद्ध संस्कृति और परंपरा से परिचित कराती है। इसके श्लोकों में हमें रोजमर्रा की जिंदगी की विभिन्न समस्याओं का समाधान खोजने, जीवन की सच्चाई से परिचित होने और अंधविश्वास एवं झूठी मान्यताओं से मुक्ति पाने में मदद मिल सकती है। गीता का ज्ञान हमारे संदेहों एवं शंकाओं को दूर करता है और हमारे आत्मविश्वास का निर्माण करता है। सारांश रूप में देखा जाए तो गीता में आत्मा की नश्वरता (अमरता) 'नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः' और कर्म (कर्त्तव्य पालन) 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का उपदेश दिया गया है।

श्रीमद् भगवद गीता एक प्रमुख हिंदू धर्मग्रंथ है जो महाकाव्य महाभारत का एक हिस्सा है। जिसमें दोहे/श्लोक हैं, इसके पाठ को संरचनात्मक रूप से 18 अध्यायों में विभाजित किया गया है। भगवद गीता को एक राजकुमार अर्जुन और भगवान के अवतार श्रीकृष्ण के बीच एक संवाद के रूप में प्रस्तुत किया गया है। महाभारत युद्ध शुरू होने से ठीक पहले का यह संवाद सृष्टि की अनमोल धरोहर है। सुलह के कई प्रयास विफल होने के बाद, युद्ध अपरिहार्य था। आखिररकार युद्ध का दिन आ गया और सेनाएं युद्ध के मैदान में आमने-सामने हुईं। जैसे ही युद्ध शुरू होने वाला था, अर्जुन ने विरोधी ताकतों पर अधिक बारीकी से नजर रखने के लिए अपने सारथि श्रीकृष्ण से रथ को युद्ध के मैदान के बीच में ले जाने के लिए कहा। श्रीकृष्ण ने रथ आगे बढ़ाया और भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य के सामने ले जाकर खड़ा कर दिया। अर्जुन ने जब कौरव सेना में अपने कुटुम्ब के लोग देखे तो वह निराश हो गए थे। अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि मैं युद्ध नहीं चाहता। मैं संन्यास लेना चाहता हूं। अपने कुटुम्ब के लोगों को मारकर मिलने वाला राज्य मेरे लिए किसी काम का नहीं है। अर्जुन उनसे लड़ने के बारे में नैतिक दुविधा की स्थिति में होकर धनुष छोड़ देते और श्रीकृष्ण से मदद मांगते हैं। श्रीकृष्ण अर्जुन को किंकर्तव्यविमुढ़, मोहग्रस्त एवं सांसारिकता में उलझा हुआ देखकर बोध देते हैं। इन दोनों के बीच जो बातचीत हुई, श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो सलाह, संदेश और उपदेश दिए, उसे अब भगवद गीता के नाम से जाना जाता है। असल में गीता कोरा ग्रंथ नहीं, जीवन-दर्शन है। सदियों पहले दिये गये भगवान श्रीकृष्ण के गीता के उपदेश आज के समय में लोगों के जीवन की घोर निराशा, परेशानियों, सांसारिकता से निकालने का काम करते हैं। गीता को न सिर्फ हिंदू बल्कि दूसरे धर्म से जुड़े लोग भी अपने जीवन में अपनाते हैं।

भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा कि जब-जब धर्म की हानि होती है, दुष्टों की दृष्टि का विस्तार होता है और अधर्म की वृद्धि होती है तब-तब मैं अवतार लेता हूं. या प्रतिनिधि के रूप में किसी महापुरुष को भेजता हूं ताकि विश्व के अंदर शांति तथा धर्म का साम्राज्य स्थापित हो सके। गीता को श्रीमद्भगवद्गीता और गीतोपनिषद के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि गीता के उपदेशों का अनुसरण करने से समस्त कठिनाइयों और शंकाओं का निवारण होता है। गीता में श्रीकृष्ण के द्वारा बताए गए उपदेशों पर चलने से व्यक्ति को कठिन से कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास होता है। गीता के उपदेश में जीवन को जीने की कला, प्रबंधन और कर्म सब कुछ है। गीता के उपदेश के जरिए श्रीकृष्ण ने मनुष्य को अच्छे-बुरे और सही-गलत का फर्क बताया है। इस दिन गीता का पाठ करने से, उसके उपदेश पढ़ने से व्यक्ति को जीवन उजाला मिलता है, मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके अलावा इस दिन पितरों के नाम से तर्पण करने से आपके पितरों को भी मोक्ष की प्राप्ति होती है। उपवास रखने से व्यक्ति का मन पवित्र होता है और शरीर स्वस्थ होता है। साथ ही व्यक्ति को पापों से छुटकारा मिलता है एवं जीवन में सुख शांति का अनुभव होता है।

गीता के पहले अध्याय में अर्जुन के प्रश्नों की बौछार के आगे श्रीकृष्ण मौन थे। अर्जुन श्रीकृष्ण से लगातार प्रश्न कर रहे थे। युद्ध न करने के निर्णय को सही बताते हुए अपने तर्क दे रहे थे। लेकिन, श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कुछ नहीं कहा। श्रीकृष्ण का मौन देखकर अर्जुन की आंखों से आंसू बहने लगे तब भगवान ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। जब तक व्यक्ति स्वयं को बुद्धिमान मानता है और व्यर्थ तर्क देता है, तब तक भगवान मौन रहते हैं। लेकिन, जब व्यक्ति अहंकार छोड़कर भगवान की शरण में चला जाता है, तब वे भक्त के सभी प्रश्नों के उत्तर देते हैं। जब हम अहंकार छोड़ देते हैं, तब ही भगवान की कृपा मिलती है। अर्जुन की आंखों में जब आंसू आ गए, तब श्रीकृष्ण ने अर्जुन के अज्ञान एवं मोह को दूर करने के लिए उपदेश दिया। गीता में भगवान ने अर्जुन को कर्म और कर्तव्य का महत्व समझाया। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि उठो और अपना कर्म करो। सभी तरह के मोह का त्याग करो और युद्ध करो। श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं, 'पार्थ! तुम केवल कर्म करो, फल की चिन्ता मत करो।' श्रीकृष्ण का यह संदेश केवल अर्जुन के लिये नहीं, सम्पूर्ण मानव जाति के लिये था। कर्म के प्रति आसक्ति मनुष्य के अन्दर 'मैं' का भाव पैदा करती है। गीता मनुष्य को इस 'मैं' से मुक्त करके निष्काम कर्म का संदेश देती है। भगवान कहते हैं कि अगर कोई निरंतर निराकार की भक्ति कर सकता है, तो वह भी मुझे पा सकता है।

भारतीय संस्कृति में गीता का स्थान सर्वोच्च है। भारतीय साधु-संन्यासियों के अन्तरतम में वीणा की झंकार की तरह गीता के श्लोक झंकृत होते हैं। कथा-प्रवचनों से लेकर घर-घर तक जीवन-सुधार परक उपदेश, नीति-नियमों का जो भी ज्ञान दिया जाता है, उसमें गीता का प्रकाश कहीं न कहीं अवश्य निहित जान पड़ता है। धरती पर शायद ही ऐसा कोई स्थान हो, जो गीता के प्रभाव से मुक्त हो। भारत भूमि तो उसके स्पर्श से धन्य हो गई है। गीता को, धर्म-अध्यात्म समझाने वाला अमोल काव्य कहा जा सकता है। सभी शास्त्रों का सार एक जगह कहीं यदि इकट्ठा मिलता हो, तो वह जगह है-गीता। गीता रूपी ज्ञान-गंगोत्री में स्नान कर अज्ञानी सद्ज्ञान को प्राप्त करता है। पापी पाप-ताप-संताप से मुक्त होकर संसार सागर को पार कर जाता है।गीता का गान करते-करते मनुष्य उस भावलोक में प्रवेश कर जाता है, जहाँ उसे अलौकिक ज्ञान-प्रकाश, अपरिमित आनन्द प्राप्त होता है। वह न कोई शास्त्र है, न ग्रन्थ है। वह तो सबको शीतल छाया देने वाला, ज्ञान का प्रकाश देने वाला, शंकाओं एवं आशंकाओं को दूर करने वाला कल्पवृक्ष है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

> **नदियों, शस्त्र धारण करने वाले पुरुषों, पंजों या सींग वाले जानवरों, स्त्रियों और राजपरिवार के सदस्यों पर भरोसा न करें।**
> **-चाणक्य**

आज का इतिहास

- 2008- प्रशासनिक सुधार आयोग के अध्यक्ष एम वीरप्पा मोइली ने सरकारी कर्मचारियों के सेवा निगमों में व्यापक बदलाव की सिफ़ारिश की।
- रमन सिंह छत्तीसगढ़ और शिवराज चौहान ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।
- 2007- पेरु की अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति एल्बर्टो फूजीमारो को छह साल कारावास व 13,000 डॉलर के जुर्माने की सज़ा सुनाई।
- 2001- भारत ने नेपाल को दो चीता हेलीकॉप्टर और हथियार दिये।
- 1998- अमेरिकी सदन की न्यायिक समिति द्वारा राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के ख़िलाफ़ महाभियोग चलाने की मंजूरी।
- 1996- भारत एवं बांग्लादेश के मध्य गंगाजल के बंटवारे को लेकर 30 वर्षीय संधि पर हस्ताक्षर।
- 1992- हैदराबाद के हुसैन सागर झील में विशालकाय बुद्ध प्रतिमा स्थापित की गई।
- 1990- टीएन शेषन मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनाए गए।
- 1981- पेरू के पूर्व प्रतिनिधि जेवियर पेरेज द कुइयार संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव निर्वाचित।
- 1971- भारतीय संसद द्वारा पूर्व राजाओं को प्रदान की जानी वाली सभी सुविधायें रद्द कर दी गई।
- 1936- चीन के नेता च्यांग काई शेक ने जापान के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।

आज का कार्टून

साभार : माधव जोशी

श्रीमद्भगवद गीता ज्ञान का अथाह भंडार है : स्वामी योगेश्वरानंद

नर्मदापुरम। सेठानी घाट पर आयोजित तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव के समापन दिवस पर प्रवचन देते हुए स्वामी योगेश्वरानंद ने श्रीमद् भगवद गीता की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि आज का दिन मोक्षदा एकादशी को गीता जयंती के रूप में मनाया जाता है। जयंती उस ग्रंथ की मनाई जाती है जो संपूर्ण विश्व के ऋषि मुनियों विद्वानों चितकों के केंद्र में रहा हो ।उन्होंने कहा कि जब किसी का उत्कर्ष उद्घोषित करना होता है तब उसकी जयंती मनाई जाती है। गीता को लेकर विभिन्न टीकाकारों ने अपने-अपने शब्दों में गीता की व्याख्या की है गीता ग्रंथ ज्ञान का भंडार है। योगेश्वर श्री कृष्णा अर्जुन को विराट रूप में दर्शन के पूर्व दिव्य दृष्टि प्रदान करते हैं। अर्थात अर्जुन ज्ञान रूपी नेत्रों से ही भगवान के दिव्य दर्शन कर पाता है । गीता के 18 अध्याय के श्लोक 67 से 71 तक भगवान इसे अपात्रों को नहीं सुनाने के बारे में बताते हैं। गीता के ज्ञान से अर्जुन का मोह नष्ट हो जाता है, उसकी एकत्व रूपी स्मृति लौट आई.यह सब भगवान केशव की कृपा रूपी प्रसाद से होता है। आखिर में अंतिम श्लोक में उल्लेखित है कि जहां जिसके पक्ष में भगवान होते हैं वहां निश्चय ही विजय प्राप्त होती है। योगेश्वरानंद ने कहा कि जो भगवान को अनन्य भाव से भजता है उसके कुशल क्षेम का रक्षा भगवान स्वयं करते हैं । कार्यक्रम के प्रारंभ में ऋषिकुल संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा गीता पाठ किया गया ।भजनांजलि के अंतर्गत ऋत्विक राजपूत द्वारा भजन की प्रस्तुति की गई। भजन में हारमोनियम पर आदित्य परसाई एवं तबले पर सक्षम पाठक , विपुल दुबे द्वारा सहयोग किया गया । कथा के प्रारंभ में स्वामी जी का स्वागत विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा , सुरेश अग्रवाल , आशीष अग्रवाल , अंकित अग्रवाल , योगेश्वर तिवारी , प्रशांत दुबे मुन्नू , अजय सैनी , संजय बल्ला राय , माधव दुबे द्वारा किया गया । प्रवचन के पश्चात गीता जयंती के अध्यक्ष पं. गिरिजाशंकर शर्मा एवं सचिव रविशंकर मिश्रा द्वारा व्यास पूजन एवं ग्रंथ पूजन किया गया । अंत में सभी उपस्थित जन ग्रंथ पूजन एवं गीता आरती में सम्मिलित हुए।

गीता पढ़ने सुनने से संशय दूर हो जाते हैं

नर्मदापुरम। श्रीमद् भगवद गीता में विश्व की सभी समस्याओं का समाधान है। यह एक अद्भुत ग्रंथ है। हम सौभाग्यशाली है कि सनातन होने के नाते हमारे पास गीता जैसा महान ग्रन्थ है जो समूचे विश्व को मानवता की राह दिखा रहा है। बुधवार को गीता जयंती के अवसर पर प्रदेश व्यास पीठ संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्दाचार्य महाराज ने उक्त बात एक विद्यालय में बच्चों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि गीता विश्व की एकमात्र पुस्तक है जिसकी जयंती मनाई जाती है। गीता भगवान के श्रीमुख से निकली है। उन्होंने कुरुक्षेत्र में युद्ध प्रारंभ होने से पहले संशय में पड़े अर्जुन को सुनाई। उन्होंने कहा कि गीता पढ़ने और सुनने मात्र से व्यक्ति का संशय दूर हो जाता है और व्यक्ति ईश्वर की भक्ति पाकर मोक्ष को प्राप्त हो जाता है। कार्यक्रम को विद्यालय के डायरेक्टर ने भी सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों को गीता अवश्य पढ़नी चाहिए। उन्होंने बताया कि विद्यालय के लायब्रेरी विभाग द्वारा गीताजी को 'बुक ऑफ द मंथ' घोषित किया गया। उन्होंने लायब्रेरी का एक सेक्शन आध्यात्मिक और धार्मिक पुस्तकों के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि आज से एक माह तक बच्चे लायब्रेरी क्लास में इन पुस्तकों का अध्ययन विशेष रूप से करेंगे। कार्यक्रम के आरंभ ने अतिथियों ने योगेश्वर भगवान कृष्ण और बच्चों द्वारा हस्तलिखित गीताजी का पूजन किया।

स्कूल में 18 सालों में नहीं बना किचिन का शेड

समूह संचालक 1 किमी दूर अपने घर से ला रहे है मध्यान्ह भोजन

- भवन की छत से गिर रहा है छप्पर
- अनेक षिकायते करने के बाद भी भवन की नहीं कराई जा रही है मरम्मत

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा , दोपहर मेट्रो

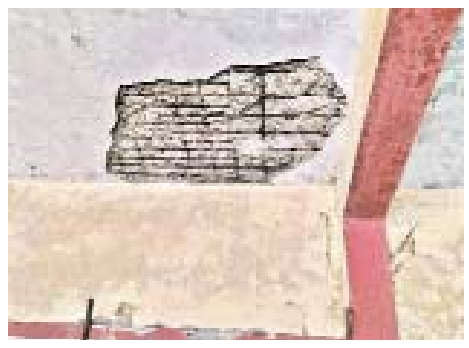

नगर से दो किलोमीटर दूर मेन सडक पर ग्राम बम्होरी पांजी के एकीकृत माध्यमिक शाला अनेक मूल भूत सुविधाओ से जूझ रहा है। स्कूल में आज दिनॉक तक किचिन शेड नहीं बना है जिस कारण बच्चो को मध्यान्ह भोजन समूह संचालक अपने घर लगभग एक किलोमीटर दूर से ला रहे है। बताया जा रहा है कि लगभग 18 साल पहले स्कूल के लिए किचिन शेड स्वीकृत हुआ था जिसे पंचायत के द्वारा बनाया जाना था लेकिन बताया जा रहा है शेड बिना बनाए ही सम्पूर्ण राषि निकाल ली गई थी। साथ ही कागजो में किचिन शेड बन गया है। जिस कारण स्कूल में किचिन शेड दुवारा स्वीकृत नहीं हुआ है। इसके अलावा स्कूल का भवन जर्जर होता जा रहा है। जिसकी छत का छप्पर अपने आप ही जमीन पर गिर रहा है। ऐसे में कभी भी कोई भी घटना घटित हो सकती है। सबसे बड़ी हैरानी का मामला है कि ब्लाक के अनेक जर्जर स्कूलो को गोड़ खनिज योजना से मरममम्मत के लिए राषि दी गई थी लेकिन बम्होरी के स्कूलो की मरम्मत के लिए कोई भी राषि आवंटित नहीं गई है। जिस कारण मरम्मत के अभाव के कारण स्कूल का भवन जर्जर हो जाता है। हालाकि छोटी मोटी मरम्मत तो स्कूल प्रबंधन करा लेता है। लेकिन बड़ी मरम्मत के लिए षिकायते करने के बाद भी सुधार नहीं हो रहा है। जबकि स्कूल प्रबंधन से हर साल डाईस प्रपत्र लिया जाता है। जिसमें स्कूल प्रबंधन में कमियां कौन कौनसी है। जिन्हे भरवाकर लिया जाता है। साथ हर वर्ष किचिन शेड एवं भवन की हालत भरकर दी जाती है। लेकिन अधिकारियों का इस और ध्यान नही गया है। जिसका खामयाजा स्कूल के बच्चो को भोगना पड़ेगा।

इस संबध में स्कूल प्रभारी प्रधान अध्यापक सीमा दुवे ने बताया कि स्कूल का अतिरिक्त कक्ष भवन जर्जर हो रहा है। आए दिन छत का छप्पर जमीन पर गिर रहा है। साथ ही छत की लोहे सरियां दिखने लगी है। इसके अलावा लोहे के दरवाजे भी जंग खाकर झतिग्रस्त हो गए है। किचिन शेड प्राईमरी एवं मिडिल दोनो में नही बने है। जिस कारण समूह संचालक अपने घर से मध्यान्ह भोजना बनाकर लाते है। स्कूल की कमियो को हर बार मोखिक एवं लिखित रूप दिया गया है लेकिन इस पर सुधार नहीं हो रहा है।

बीआरसी पीएल अहिरवार ने कहां है कि बम्होरी एकीकृत माध्यमिक शाला में किचिन स्वीकृत क्यो नहीं हुआ है और अगर पहले किचिन शेड स्वीकृत हुआ था तो इसकी राषि कहां गई है। जिससे मै जिला से दिखवाता हूँ अगर राषि निकल गई है और किचिन शेड नहीं बना है तो संबंधितो पर कार्यवाही की जाएगीं। इसके अलावा भवन मरम्मत के लिए डिमाईड की गई है। जैसे ही राषि स्वीकृत होती है तो मरम्मत का कार्य कराया जाएगा।

लाड़ली बहनों के बैंक खातों में जमा हुए रुपए

सिरोंज। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना अंतर्गत जिले की कुल 280286 पात्र महिलाओं को राशि का अंतरण उनके खाते में किया गया है जिसकी कुल राशि 34 करोड़ 17 लाख है। इनमें से 14376 पेंशन अंतर्गत पात्र होने के कारण इन महिलाओ के प्रति महिला 650 रुपये के मान से कुल 93 लाख 44 हजार राशि का एवं शेष 265910 महिलाओं को 1250 रुपये के मान से कुल 33 करोड 23 लाख राशि का अंतरण उनके डीबीटी सक्रिय खाते में किया गया है।

स्वच्छ भारत मिशन; विश्व शौचालय दिवस पर पंचायतों के हितग्राहियों को किया

संवाददाता तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान के अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन विश्व शौचालय दिवस के समाप्ति के अवसर पर जनपद सीईओ मनीष बागरी के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत तेन्दूखेड़ा में ग्राम पंचायत हर्राई सिंगौरगढ़, तेजगढ़, पिंडरई पांजी के स्वच्छ सुंदर शौचालय के हितग्राहियों को सम्मानित किया गया। साथ ही ग्राम पंचायत धनेटा माल, तारादेही, मोहरा के सामुदायिक स्वच्छता परिसर को स्वच्छ सुंदर शौचालय के लिये चयनित किया गया है। भारत सरकार, राज्य सरकार की चिन्हित हितग्राही मूलक योजनाओं में शत प्रतिशत सैचुरेशन एवं लाभ आधारित योजनाओं को प्राप्त करने के लिये मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान 11 दिसंबर से 26 जनवरी तक ग्राम पंचायतों में आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए। मनरेगा, आवास, एसबीएम, सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की गई। इस दौरान जनपद स्तर पर स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी महेंद्र धुर्वे, प्रधानमंत्री आवास प्रभारी रोहित यादव, मनरेगा प्रभारी राहुल गांगरा, शिवनंदन अहिरवार के अलावा पीसीओ, सचिव, रोजगार सहायक, स्वच्छताग्रही उपस्थिति रहे।

नहीं रहे कड्डी खिलाड़ी प्रेमशंकर चौरे

सिवनी मालवा। तवानगर अनुविभागीय अधिकारी तवा शीर्ष कार्यालय मैं पदस्थ प्रेम शंकर चौरे कल्लू भैया का बीते रोज हृदय गति रुक जाने के कारण दुखद निधन हो गया है जल संसाधन विभाग स्पोर्ट्स क्लब के क्षेत्रीय अध्यक्ष बशारत खान ने बताया की प्रेम शंकर चौरे कबड्डी के उत्कृष्ट खिलाड़ी थे हंसमुख मिलनसार सबको साथ लेकर चलने वाले धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में भी उनका विशेष योगदान तो रहता ही था तवा नगर दादा जी दरबार आश्रम से जुड़े थे उनके निधन से नगर की अपूरणीय क्षति हुई है। उनका अंतिम संस्कार नर्मदा पुरम के राजघाट पर किया गया। मुखअग्नि उनके पुत्र अमित चौरे ने दी। अंतिम यात्रा में कार्यपालन यंत्री के,आर, भूमर कर अनुविभागीय अधिकारी एन,के, सूर्यवंशी प्रांतीय खेल संयोजक कैलाश राजपूत दीपक चौरे कार्यालय सचिव आर,एल, सूर्यवंशी खेल अधिकारी थॉमस मैथ्यू भीमराव पहलवान,कबड्डी खिलाड़ी राजेश यादव, मोहन राठौर,पत्रकार संतोष सिंह चंदेल सी के सोनी एन एस बुंदेला नायर बाबू डॉ गणेश पटेल उपसरपंच रवि शंकर पासी विधायक प्रतिनिधि रीता सिंह ठाकुर दातार सिंह चौहान नारायण सिंह ठाकुर आशीष मिश्रा टीजू मैथ्यू बलदेव सिंह राजकुमार सोनारे शैलेंद्र सिंह सोलंकी दीपक राजपूत चंद्रभान राय गोप साहब पटेल महेंद्र पाल परियोजना अध्यक्ष मनोज वाघमारे सचिव पंजाब राव झर वाड़े उमेश शर्मा प्रेम मिश्रा सूर्य सिंह पंडोल राजू जाधव आनंद पथोरिया संतोष चौरसिया सहित परिजन रिश्तेदार ईस्ट मित्रों ने अंतिम यात्रा में सम्मिलित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कैचमेंट शालाओं के 16 विद्यार्थियों को साइकिल वितरित की गई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

लोक शिक्षण संचालनालय मध्य प्रदेश एवं जिला शिक्षा अधिकारी नर्मदापुरम के निर्देशानुसार कैचमेंट शालाओं के अध्यनरत 16 विद्यार्थीओं को साइकिल वितरित की गई। साइकिल वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित जनपद सदस्य श्रीमती अर्चना नारायण सैनी, श्रीमती सरोज मंगल सिंह कीर, उप सरपंच अर्जुन सिंह राजपूत के द्वारा साइकिल वितरित की गई। प्राचार्य डी एन व्यास कहा कि बुधनी से बीकोर आने के लिए कोई साधन नहीं है, जिसके कारण बच्चे नियमित कक्षा में नहीं आ पाए जिससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हुई। साइकिल मिलने पर विद्यार्थी प्रतिदिन स्कूल आ पाएंगे और बेहतर परीक्षा परिणाम लाने में सहयोग करेंगे। साइकिल मिलने पर बच्चे साइकिल लेकर खुश होकर घर पहुंचे। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक जितेंद्र यादव, प्रदीप केवट, विनय कुमार परनामे, राजेंद्र चौहान, अमित परसाई, सुशीला शर्मा, महेश अहिरवार एवं राम अवतार यादव उपस्थित रहे।

बांसपानी के जंगल में मिला टाइगर का शव

सिवनी मालवा। वन परिक्षेत्र बानापुरा रेंज की बांसपानी के कंपाउंड नंबर 433 बीट में एक टाइगर का शव मिलने से हड़कम्प मचा हुआ है। सूत्रों की मानें तो यह शव तीन से चार दिन पुराना बताया जा रहा है। टाइगर का शव मिलने से विभाग में हड़कंप है। उल्लेखनीय है कि सिवनी बानापुरा वन मंडल में बाँसपानी का सतपुड़ा का जंगल काफी घना है यहां टाइगर का मूवमेंट बना रहता है। सूत्रों की माने तो बाँसपानी के जंगल में बुधवार को एक टाइगर का शव मिला है टाइगर की मौत करीब तीन से चार दिन पहले होने से शव डीकमपोज की स्थिति में था। टाइगर को झाड़ियां से छुपा के रखा हुआ था इससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि टाइगर का शिकार होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। बताया जाता है कि जहां पर टाइगर का शव मिला है वहीं पर बिजली की लाइन भी गई हुई हैं टाइगर की मौत बिजली के करंट से भी होने की संभावनाएं जताई जा रही हैं वह भी एक जांच का विषय है। टाइगर के शव मिलने की सूचना के बाद से रेंजर और एसडीओ सहित वन विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे हैं जो देर रात तक नेटवर्क नहीं होने के कारण उनसे किसी भी प्रकार का कोई संपर्क नहीं हो पाया है। टाइगर की मौत आपसी संघर्ष में हुई है या फिर उसका शिकार हुआ है जो जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा शव का पोस्टमार्टम होने के बाद ही टाइगर की मौत का सही कारण सामने आ सकेगा। फिलहाल इस मामले को लेकर वन विभाग और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के अधिकारी कुछ भी नहीं बोल रहे है मगर सूत्र टाइगर का शव मिलने की बात कह रहे हैं। सूत्र तो यह भी बता रहे हैं रात होने के कारण टाइगर के शव का पोस्टमार्टम नहीं किया गया है सुबह पोस्टमार्टम किया जाएगा वहीं डाग स्कर्ट की टीम और डाक्टरों टीम भी सुबह घटनास्थल पर पहुंचेगी।

मेट्रो एंकर वैश्य सम्मेलन में कैलेंडर का विमोचन किया गया

अराजकता के माहौल में सिर्फ व्यापारी समुदाय ही शिकार होता है

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश द्वारा प्रकाशित वैश्य कैलेंडर का विमोचन कार्यक्रम अग्रवाल धर्मशाला में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता पूर्व गृह मंत्री रहे। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक परिस्थितियों में समय बड़ा कठिन है. हर जगह अराजकता का माहौल है और इस अराजकता का शिकार कोई होता है तो वह व्यापारी समुदाय है और व्यापारी समुदाय का एक अंग वैश्य समाज होता है पर तकलीफ यह है कि वो संगठित नहीं होता है.अपने आराम दायक समय में वह संगठन की सोच नहीं रखता। वैश्य महासम्मेलन का उद्देश्य सभी वैश्य घटकों को संगठित करना है क्योंकि वर्तमान समय में संगठन की महत्ता है. संगठन हमें सुरक्षा और आत्मविश्वास प्रदान करता है. वैश्य समाज की सहभागिता समाज की हर गतिविधि में रहती है। प्रदेश उपाध्यक्ष भगवान दास अग्रवाल ने वैश्य कैलेंडर के बारे में जानकारी दी। संभाग अध्यक्ष अजीत सेठी ने संगठन विस्तार की भूमिका रखी। महासम्मेलन नगर अध्यक्ष आनंद अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश खंडेलवाल ने किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां लक्ष्मी का पूजन किया, अंत में सभी अतिथियों द्वारा वैश्य कैलेंडर का विमोचन किया गया। आभार जिला अध्यक्ष संजय शिल्पी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में महिला इकाई से ऊषा अग्रवाल, भारती अग्रवाल, अंजू गुप्ता, शारदा जैन, मधु गुप्ता महासम्मेलन के अखिलेश गुप्ता, सुरेश अग्रवाल, नरेंद्र गोयल, मनीष गुप्ता, गोपाल गुप्ता, अरुण गुप्ता, कपिल गुप्ता, प्रकाश गुप्ता आदि उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने तय किया कि मासिक मिलन कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा।

जनकल्याण अभियान के तहत शिविर आयोजन

नयापुरा स्कूल में हितग्राहियों दिया योजना का लाभ, लिए आवेदन

- एसडीएम के जाते ही अन्य विभाग के अधिकारी भी शिविर छोड़कर चले गए
- केवल सीएमओ सहित नपा का अमला रहा मौजूद
- पत्रकारों की सूचना पर एसडीएम ने निर्देशित कर शिविर में भेजा

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

सरकार के द्वारा एक साल पूर्ण होने पर जनकल्याण पर्व का बुधवार को शुभारंभ किया गया। वार्ड दस में स्थित शासकीय कन्या स्कूल में जनकल्याण अभियान के तहत शिविर आयोजित किया गया। जनता के लिए आयोजित किया शिविर में वार्ड के अनेक नागरिकों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन जमा किए।

वहीं केंद्र सरकार द्वारा सत्तर वर्ष की आयु पूर्ण करने वालों के आयुष्मान कार्डों को भी बनाया गया। शिविर को संबोधित करते हुए एसडीएम हर्षल चौधरी ने कहा

कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देश अनुसार जनकल्याण शिविर के माध्यम से शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को उनके पास में पहुंचकर देने का काम सरकार के द्वारा प्रारंभ किया जा रहा है । सभी वार्डो एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर 11 दिसंबर से शुरू होकर आगामी 26 जनवरी तक विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे जन समस्याओं से संबंधित आवेदन और योजनाओं के आवेदन भी शिविर के माध्यम में लिए गए जिनका समाधान जल्द ही किया जाएगा वार्ड पार्षद आरती राजू कुशवाह कहा कि शिविर में जो भी समस्या है उनको बताइए जिनका समाधान अधिकारी करेंगे। भाजपा सरकार सबके विकास के लिए काम करती है और अब जनता के बीच में आकर शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने का काम कर रही है। इसका सभी लाभ उठाएं। भाजपा सरकार विकास कर रही है हर पात्र व्यक्ति को शासन योजना का लाभ मिले इसलिए जनकल्याण पर्व प्रारंभ किया गया है।

पार्षद प्रतिनिधि सचिन शर्मा ने कहा कि प्रत्येक पात्र हितग्राहियों को एवं समाज के अंतिम व्यक्तियों को भी शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले इसलिए इन शिविर का आयोजन प्रारंभ हुआ है। यह शिविर नगर के सभी वार्डो में समय समय पर आयोजित होगे तथा समस्याओं का निराकरण करके संबंधित परिवार को अवगत करने का काम भी किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने नर्मदा मैया की सेवा करने वाले सियाराम बाबा के निधन पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की। मोक्षदा एकादशी पर आयोजित धर्म तथा जनकल्याण के इस सामूहिक आयोजन में शिविर क्षेत्र में एक कलश यात्रा का भी आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय की छात्राएं अपने सिर पर कलश रखकर यात्रा में शामिल हुई। मोहल्ले में निकली इस यात्रा में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं वार्ड के नागरिकगणों ने भी सहभागिता की।

एसडीएम के जाते ही चले गए थे, अधिकारी फिर आए वापस

जनकल्याण पर्व में एसडीएम के जाते ही अन्य विभाग अधिकारी भी शिविर छोड़कर चले गए थे। केवल नगर पालिका का अमला ही मौजूद था इस वजह से कई लोग परेशान हो रहे थे। पत्रकारों की सूचना पर एसडीएम ने इनको फिर से निर्देशित करके शिविर में भेजने का काम किया। सीएमओ से लेकर नगर पालिका का पूरा अमला रहा मौजूद - नगरपालिका द्वारा शिविर स्थल पर काउंटर लगा कर हितग्राहियों के आवेदन जमा किए जा रहे थे। जब जनों का मौके पर समाधान हो सकता था उनका समाधान भी करके नगर पालिका सीएमओ राम प्रसाद साहू ने मौके पर भी शासन योजना से लाभान्वित करने का काम किया बड़ी संख्या में आवेदन भी लोगों ने लाडली बहन प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर अन्य योजना के संबंध में दिए जिनके समाधान बाद में करने उपरांत पत्र हितग्राहियों को लाभान्वितवित्त करने की बात भी की।,तहसीलदार संजय चौरसिया,,अजमल शेर खान ,मुनीम गौरी,राकेश शर्मा आदि मौजूद थे।

देवपुर में अंधे मोड़ पर हादसा

अनियंत्रित होकर पलटा ट्रक, ग्रामीणों ने चालक परिचालक को निकाला

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

बुधवार को सुबह 7 के करीब ग्वालियर से सिरोंज जा रहा एक लोडिंग ट्रक एक गाय को बचाने के चक्कर में देवपुर के मंदिर वाले मोड़ के पास अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कोई बड़ी घटना नहीं हुई। दुर्घटना के बाद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सरपंच प्रतिनिधि अर्जुन राजपूत ने ड्राइवर तथा क्लीनर को गांव वालों की मदद से बाहर निकाल क्योंकि दोनों ट्रक के अंदर फंसे थे। बड़ी मुश्किल से इनको बाहर ड्राइवर, क्लीनर सुरक्षित है। कुछ दिन पहले भी एक रेत से भरा ट्रक यहां पलट गया था । सरपंच प्रतिनिधि अर्जुन राजपूत बताया मोड अंधा होने के कारण आए दिन घटनाएं होती रहती हम शासन प्रशासन से मांग करते हैं कि अंधे मोड पर ब्रेकर या ऐसी कोई सुविधा हो जिससे बार-बार ऐसी घटनाएं न हो उसके लिए उचित इंतजाम यहां पर किया जाए।

फरार वारंटियों की धरपकड़ सघन तलाशी अभियान चला

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र के मार्गदर्शन में नर्मदापुरम पुलिस द्वारा गत रात्रि में जिले के समस्त अनुभागो में पुलिस अनुविभागीय अधिकारियो के नेतृत्व में शहरी एवं ग्रामीण थाना क्षेत्रो में फरारी स्थायी व गिरफ्तारी वारंटियो जिला बदर की धरपकड़ हेतु सघन तलाशी अभियान चलाया गया एवं पुलिस द्वारा काम्बिंग गश्त की गयी।

इस दौरान नर्मदापुरम अनुभाग में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पराग सैनी के नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा 13 वारंटियो गिरफ्तार, 10 निगरानी बदमाश 14 गुंडा को चेक करने में सफलता प्राप्त की गयी। देहात पुलिस द्वारा 09 वारंटी गिरफ्तार व 09 निगरानी बदमाश 03 गुंण्डा चेक किये। थाना अजाक पुलिस द्वारा 01 वारंटी गिरफ्तार किये । सोहागपुर अनुभाग में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी संजू चौहान के नेतृत्व में 7 वारंटी गिरफ्तार व 04 निगरानी बदमाश चेक किये गये थाना माखन नगर पुलिस द्वारा 12 वारंटी गिरफ्तार व 05 निगरानी बदमाश 07 गुंडा चेक किये गये। पिपरिया अनुभाग में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी मोहित यादव के नेतृत्व में थाना पिपरिया पुलिस द्वारा 09 वारंटी गिरफ्तार व 05 निगरानी बदमाश 05 गुंडा चेक किये गये। थाना स्टेशन रोड पिपरिया पुलिस द्वारा 08 वारंटी गिरफ्तार व 04 निगरानी बदमाश 12 गुंडा चेक किये गये। थाना बनखेडी पुलिस द्वारा 09 वारंटी गिरफ्तार व 01 निगरानी बदमाश 03 गुंडा चेक किये गये। थाना पचमढी पुलिस द्वारा 07 वारंटी गिरफ्तार, 04 गुंडा को चेक किया गया। इटारसी अनुभाग में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी महेन्द्र सिंह चौहान के नेतृत्व में थाना इटारसी पुलिस द्वारा 29 वारंटी गिरफ्तार व 07 निगरानी बदमाश, 11 गुंडा चेक किये गये । थाना केसला पुलिस द्वारा 06 वारंटी गिरफ्तार व 02 गुण्डा चेक किये गये । थाना रामपुर गुर्रा पुलिस द्वारा 04 वारंटी गिरफ्तार व 02 गुंडा चेक किये गये। थाना पथरौटा पुलिस द्वारा 14 वारंटी गिरफ्तार व 02 निगरानी बदमाश 03 गुंडा चेक किये गये। इसी प्रकार सिवनी मालवा अनुभाग में पुलिस अनुविभागीय अधिकारी राजू रजक के नेतृत्व में थाना सिवनी मालवा पुलिस द्वारा 05 वारंटी गिरफ्तार व 02 निगरानी बदमाश 05 गुंडा चेक किये गये। इस प्रकार नर्मदापुरम पुलिस द्वारा वारंटी तलाश अभियान अंतर्गत जिले में कुल 142 वारंटियो को गिरफ्तार किया गया। काम्बिंग गस्त के दौरान 48 निगरानी बदमाश व 80 गुंडा 03 जिला बदर को चेक किया गया।

पगरानी केंद्र पर 2 दिन से नहीं हो रही थी मैपिंग किसान परेशान, एसडीएम ने बदला वेयरहाउस

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

समर्थन मूल्य पर सोयाबीन की तोल करवाने में किसानों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है अधिकांश केंद्रों पर मनमानी चल रही है। दूसरी ओर पगरानी के समर्थन मूल्य केंद्र पर 2 दिनों से मैपिंग नहीं होने से किसानों की फसल की तुलाई भी नहीं हो रही थी, किसान फसल तुलवाने के लिए बैठे हुए हैं। वही बुधवार को खरीदी केंद्र पगरानी का निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम हर्षल चौधरी को तुलाई नहीं होने की शिकायत किसानो कि इसके बाद उन्होंने करणों का पता किया तो यहां पर पिछले दो दिनों से मैपिंग नहीं होने की की वजह से किसान परेशान हो रहे हैं एसडीएम ने तत्काल केंद्र संचालक को फटकार लगाते हुए दूसरे वेयरहाउस

पर किसानों की फसलों की तुलाई प्रारंभ करवाने के निर्देश दिए तब जाकर किसानों की सुनवाई प्रारंभ हो पाई है।इस तरह की लापरवाही अधिकांश केदो पर देखने को मिल रही है। जहां पर सही किसानों को फसल बेचने में परेशानी हो रही है और नंबर दो का काम करने वाले तथा घटिया क्वालिटी का सोयाबीन मंडी से लेकर बेचने वालों की तुलाई हो जाती है। इसके अलावा एसडीएम ने तरवरिया पामाखेड़ी आदि केदो का भी जायजा लेकर केंद्र प्रभारियों को निर्देशित किया कि सही किसानों को फसल तुलवाने में किसी भी तरहकी परेशानी नहीं होनी चाहिए गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाए।

दो प्रकरणों में नगद इनाम की घोषणा

सिरोंज। विदिशा पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के द्वारा फरार आरोपियों के दो प्रकरणों में सूचना देने वालो को तीन-तीन हजार रूपए की नगद राशि देने की उद्घोषणा की है। सूचनाकर्ता चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

पुलिस अधीक्षक श्री काशवानी के द्वारा जारी इनाम उदघोषणा आदेश में उल्लेख है कि थाना सिरोंज के दर्ज अपराध क्रमांक 178/2024 का फरार आरोपी जगदीश उर्फजग्गी पुत्र स्वर्गीय नाथू बागडी निवासी मदागन तथा थाना कुरवाई में दर्ज अपराध क्रमांक 334/2023 के फरार आरोपी मसूद अली पुत्र मजहर अली निवासी ग्राम सिरावदा थाना कुरवाई की सूचना देने वाले को तीन-तीन हजार रूपए की नगद राशि इनाम देने की घोषणा की है।

कल होगी लावारिस वाहनों की नीलामी

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

कई बार सालो थाने में लावारिस अवस्था में खड़े वाहनों की नीलामी करने का काम 13 दिसंबर को किया जाएगा । एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने जानकारी देते हुए कहा कि 15.11.2024 मध्यप्रदेश पुलिस मेन्युअल एवं रेगुलेशंस एक्ट धारा 26 के तहत वाहनों की यथास्थिति रखते हुए उदघोषित किया गया था । थाना शहर के द्वारा उपलब्ध 61 लावारिस वाहनों की सूची अनुसार लावारिस वाहनों की नीलामी के लिए प्रस्तावित सूची अनुसार दिनांक 13 दिसंबर को दोपहर 12 बजे स्थान पुलिस थाने

मे उक्त वाहन जैसे है उसी स्थित में विधि के अनुसार नीलामी की कार्यवाही समिति के सदस्यों के समक्ष की जाएगी। वाहनों की सूची थाना परिसर एवं तहसील कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई हैं।

शीतलहर के चलते जिला शिक्षा अधिकारी ने निकाला आदेश प्रातः 9 बजे के पूर्व नही होगा स्कूलों का संचालन

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

म.प्र. शासन स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के पत्र क्र./एफ44-04/2017/20-2, भोपाल दिनांक 03.01.2023 में दिये गये निर्देशों के आधार एवं कलेक्टर रौशन कुमार के अनुमोदन पर जिला विदिशा में तापमान की कमी एवं शीतलहर के कारण समस्त शासकीय,अशासकीय,सी.बी.एस.ई . एवं अन्य बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों

के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है।

इस स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए समस्त विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है, कि विद्यालय का संचालन प्रातः 09:00 बजे के पूर्व नही करेंगे। (विशेषकर प्री नर्सरी से कक्षा 8 वीं तक की कक्षाओं के सम्बन्ध में) परीक्षाओं का संचालन पूर्ववत नियत समय सारिणी अनुसार ही रहेगा। उक्त आदेश आगामी अन्य आदेश तक प्रभावशील होगा।

मेट्रो एंकर कलेक्टर सिंह द्वारा दो प्रकरणो में आर्थिक मदद जारी

पहले कोई दस्तावेज नहीं था स्वामित्व योजना से मिला भूमि का स्थाई पट्टा : हिम्मत सिंह

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

विदिशा हिम्मत सिंह बताते हैं कि उनकी आयु 49 वर्ष हो गई है वह जन्म से ही विदिशा तहसील के ग्राम रुसल्ला में निवास कर रहे हैं। लेकिन जिस भूमि पर वह निवास कर रहे हैं उस भूमि का उनके पास कोई दस्तावेज नहीं था फिर उन्हें स्वामित्व योजना की जानकारी लगी तो उन्होंने इस योजना में आवेदन किया और आज मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के शुभारंभ अवसर पर उन्हें भूमि का स्थाई पट्टा प्राप्त हुआ है। स्थाई पट्टा पाकर हितग्राही हिम्मत सिंह बेहद खुश हैं। वह कहते हैं कि अब इस पट्टे के दस्तावेज की मदद से वह और उनका परिवार खुशहाल जीवनयापन कर सकेगा। पट्टे के माध्यम से उन्हें समय-समय पर जरूरत पड़ने पर बैंकों द्वारा ऋण भी दिया जाएगा इसके लिए वह अप्लाई कर ऋण प्राप्त करेंगे। वह वर्षों से जिस भूमि पर कच्चे मकान में

निवास कर रहे थे उसका दस्तावेज ना होने पर उन्हें ऋण प्राप्त नहीं हो रहा था लेकिन अब वह स्वामित्व योजना से लाभान्वित होने के उपरांत अधिकार से अपने गांव में निवास कर सकेंगे और ऋण भी ले सकेंगे। स्वामित्व योजना के लिए हितग्राही ने मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद भी दिया है।

दो प्रकरणों में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने आर्थिक सहायता के आदेश जारी कर दिए है- जारी आदेशानुसार मुख्यमंत्री कृषक जीवन कल्याण योजना के तहत तहसील सिरोंज के ग्राम सांकलोन निवासी सुनील पुत्र काशीराम यादव उम्र 29 साल की कृषि कार्यो के दौरान करंट लगने से की मृत्यु हो जाने पर मृतक की पत्नी श्रीमती रानीबाई यादव को चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता एवं अंत्येष्टि अनुदान रूपए चार हजार इस प्रकार कुल राशि चार लाख चार हजार रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार तहसील ग्यारसपुर के थाना हैदरगढ ग्राम नौरजा निवासी बलवंत सिंह पुत्र रघुनाथ सिंह कुर्मी की मृत्यु कृषि कार्यो के दौरान करंट लगने से हो जाने पर मृतक की पत्नि श्रीमती दमयंती बाई को चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता एवं अंत्येष्टि अनुदान रूपए चार हजार इस प्रकार कुल राशि चार लाख चार हजार रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

एम्बापे का 50वां गोल, रियाल मैड्रिड नॉकआउट की होड़ में, लिवरपूल की लगातार छठी जीत दर्ज

बर्गमो (इटली). एजेंसी

फ्रांसीसी स्ट्राइकर किलियन एम्बापे ने यूएफा चैंपियंस लीग में अपना 50वां गोल दागा, जिसकी बदौलत स्पेनिश क्लब रियाल मैड्रिड ने इटली के अटलांटा को 3-2 से हराकर इस सीजन अपनी तीसरी जीत दर्ज की। मौजूदा चैंपियन रियाल मैड्रिड की टीम इस सीजन संघर्ष करती दिख रही है। टीम ने छह में से तीन मैच ही जीते हैं। इस जीत के बाद रियाल मैड्रिड नॉकआउट की होड़ में बनी हुई है। वहीं चैंपियंस लीग के इस सीजन में लिवरपूल ने शानदार खेल दिखाया है। टीम ने अपना विजयी सफर जारी रखते हुए मेजबान गिरोना को 1-0 से हराकर इस सीजन लगातार छठी जीत दर्ज की। लिवरपूल की टीम छह जीत से 18 अंक लेकर शीर्ष पर है और नॉकआउट राउंड में जगह पक्की कर चुकी है। इस मैच में मोहम्मद सालाह ने 63वें मिनट में पेनल्टी को गोल में तब्दील किया।

दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने

एम्बापे सबसे कम उम्र में चैंपियंस लीग में 50 गोल पूरे करने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। एम्बापे ने 25 वर्ष और 356 दिन की उम्र में 79 मैचों में 50 गोल किए हैं। उनसे पहले 2012 में लियोनल मेसी ने 24 वर्ष और 284 दिन की उम्र में चैंपियंस लीग में 50 गोल पूरे कर लिए थे। एम्बापे ने 10वें मिनट में ही रियाल मैड्रिड को 1-0 की बढ़त दिला दी थी, लेकिन पहला हाफ खत्म होने तक अटलांटा के चार्ल्स डे केटेलेरे ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। 56वें मिनट में विंसियस जूनियर ने रियाल मैड्रिड के लिए दूसरा गोल किया, लेकिन एडेमोला लुकमैन ने 65वें मिनट में स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। 59वें मिनट में जूड बेलिंघम ने गोल कर टीम को 3-2 से आगे कर दिया।

सऊदी अरब को 2034 फुटबॉल वर्ल्ड कप की मेजबानी, फीफा का ऐलान

2030 का सीजन स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को में होगा

ज्यूरिख. एजेंसी

2034 का फुटबॉल वर्ल्ड कप सऊदी अरब में खेला जाएगा। इतना ही नहीं, 2030 के वर्ल्ड कप की मेजबानी स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को मिलकर करेंगे। दुनिया में फुटबॉल संचालित करने वाली संस्था फीफा ने यह ऐलान किया। 2034 वर्ल्ड कप के आयोजन के लिए केवल सऊदी अरब ने बिड किया था। ऐसे में ज्यूरिख में वर्ल्ड बॉडी की स्पेशल मीटिंग के बाद प्रेसिडेंट जियानी इन्फेंटिनो ने सऊदी अरब को ऑफिशियल होस्ट घोषित किया।

रोनाल्डो ने लिखा- सपना सच हुआ इस ऐलान के बाद दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानों रोनाल्डो ने एक पोस्ट शेयर की। उन्होंने लिखा- अब तक का सबसे खास वर्ल्ड कप, सपना सच हुआ। पुर्तगाल 2030 वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा और हमें इस पर गर्व है। इससे पहले 1930 में उरुग्वे ने वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी। वे 2030 वर्ल्ड कप के पहले मैच को होस्ट करेगा। ओपनिंग सेरेमनी भी इसी देश में होगी। उरुग्वे के अलावा, अर्जेंटीना और पराग्वे भी 2030 वर्ल्ड कप के एक-एक मैच होस्ट करेंगे। कनाडा और मैक्सिको में होगा अगला वर्ल्ड कप फुटबॉल का अगला वर्ल्ड कप 2026 में होगा। इसकी मेजबानी यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको कर रहे हैं। अर्जेंटीना ने जीता था पिछला वर्ल्ड कप, मेसी ने दो गोल दागे थे फुटबॉल वर्ल्ड कप का पिछला सीजन 2022 में कतर में हुआ था। इसे अर्जेंटीना की टीम ने जीता था। टीम ने फाइनल मुकाबले में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया था। इससे मुकाबला 3-3 से बराबर रहा था। मुकाबले में लियोनल मेस्सी ने

फुटबॉल वर्ल्ड कप का पिछला खिताब अर्जेंटीना ने 2022 में जीता था।

2 गोल दागे थे, जबकि फ्रांस के किलियन एम्बापे ने 3 गोल दागे थे। इससे पहले, फीफा ने घोषणा की थी कि 2027 में होने वाला महिला विश्व कप ब्राजील में 24 जून से 25 जुलाई तक खेला जाएगा। यह पहला अवसर होगा जब दक्षिण अमेरिका के किसी देश में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। गियानी इनफैनटिनो ने कहा, हम फुटबॉल को और अधिक देशों में ला रहे हैं और टीमों की संख्या ने गुणवत्ता को कम नहीं किया है। इसने वास्तव में अवसर को बढ़ाया। फीफा और सऊदी अधिकारियों ने कहा है कि 2034 विश्व कप की मेजबानी से महिलाओं के लिए स्वतंत्रता और अधिकारों का विस्तार सहित महत्वपूर्ण बदलाव आ सकते हैं। इससे पहले, फीफा ने घोषणा की थी कि 2027 में होने वाला महिला विश्व कप ब्राजील में 24 जून से 25 जुलाई तक खेला जाएगा। यह पहला अवसर होगा जब दक्षिण अमेरिका के किसी देश में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप: 13वीं बाजी के बाद स्कोर 6.5-6.5 से बराबर

गुकेश और लिरेन ने ड्रॉ खेला आज खेला जाएगा आखिरी गेम

सिंगापुर. एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और चीन के डिफेंडिंग चैंपियन डिंग लिरेन ने 13वां गेम ड्रॉ खेला है। अब दोनों का स्कोर 6.5-6.5 हो गया है। बुधवार को वर्ल्ड चैस चैंपियनशिप की 13वीं बाजी में 68 चाल के बाद गुकेश को गेम ड्रॉ खेलना पड़ा। सफेद मोहरों से खेल रहे गुकेश और लिरेन के क्लासिकल शतरंज की केवल एक बाजी बची है। जो कि आज खेली जाएगी। अगर 14वें गेम से भी नतीजा नहीं निकलता है, तो फैसला टाई ब्रेकर से लिया जाएगा। जिसमें कम समय की बाजियों से विजेता का फैसला होगा। 68 चाल के बाद ड्रॉ के लिए सहमति दोनों खिलाड़ियों ने 68 चाल के बाद ड्रॉ के लिए सहमति दी। 32 वर्षीय लिरेन ने पहली बाजी जीती थी जबकि 18 वर्षीय गुकेश ने तीसरी बाजी अपने नाम कर बराबरी हासिल की थी। इसके बाद दोनों ग्रैंडमास्टर्स ने लगातार सात ड्रॉ खेले। गेम में 18 वर्षीय गुकेश ने अपनी शुरुआती चाल में किंग पॉन चाल का प्रयास किया और फिर से उन्हें लिरेन के पसंदीदा फ्रेंच डिफेंस का सामना करना पड़ा। जैसे जैसे बाजी आगे चल रही थी, वैसे ही बीच की चालों को देखते हुए स्पष्ट हो गया कि यह मैच ड्रॉ ही रहेगा।

11वां गेम गुकेश ने जीता, 12वें में लिरेन ने वापसी की रविवार तक 11 गेम के बाद गुकेश 6-5 से आगे थे। 11 में से 8 गेम ड्रॉ रहे थे, जबकि 2 में गुकेश और 1 में लिरेन को जीत मिली थी। लेकिन लिरेन ने वापसी की और 12वां गेम जीत लिया और स्कोर फिर बराबर कर दिया। चैंपियन बनने के लिए खिलाड़ी 7.5 पॉइंट्स तक पहुंचना होगा।

सबसे युवा वर्ल्ड चैंपियन बनेंगे गुकेश भारतीय स्टार गुकेश इस फाइनल को जीत लेते हैं, तो सबसे युवा वर्ल्ड चेस चैंपियन बन जाएंगे। गुकेश अभी 18 साल के हैं। इससे पहले गुकेश ने 17 साल की उम्र में कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीता था। तब भी वह इसे जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे।

मेट्रो बाजार

नए साल में सबसे ज्यादा हायरिंग, आईटी सेक्टर में होगी नौकरियां

नईदिल्ली. एजेंसी

भारत में नियोक्ताओं ने अगले वर्ष जनवरी-मार्च की अवधि के लिए सबसे मजबूत रोजगार परिदृश्य की रिपोर्ट दी है, जिसमें कॉर्पोरेट अगले तीन महीनों में अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य बना रहे हैं। सर्वे में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के 3000 से अधिक नियोक्ताओं से डेटा एकत्र किया गया, जिसमें पता चला कि 53 प्रतिशत नियोक्ता नियुक्तियां करने की योजना बना रहे हैं। मैनपावररग्रुप इंडिया और मिडिल ईस्ट के

प्रबंध निदेशक संदीप गुलाटी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है, और 2025 की पहली तिमाही के लिए रोजगार परिदृश्य में वैश्विक नेता के रूप में इसकी स्थिति देश के आर्थिक विकास में नियोक्ताओं के विश्वास को दर्शाती है। मुद्रास्फीति के संभावित रूप से कम होने के कारण उपभोक्ता खर्च में वृद्धि के साथ सेक्टर 53 फीसदी प्रतिशत है। नियोक्ता नियुक्ति करने की योजना बना रहे। वित्तीय और रियल एस्टेट से भी मजबूत योगदान की उम्मीद है। उत्तर भारत में नौकरी की मांग सबसे ज्यादा है, इसमें रोजगार आउटलुक 41 फीसदी है, जबकि पश्चिमी भारत का आउटलुक 39 प्रतिशत है। चौथी तिमाही के लिए रोजगार आउटलुक तीसरी तिमाही के मुकाबले पांच फीसदी ज्यादा रहने की उम्मीद है। मैनपावर ग्रुप इंडिया के मुताबिक नियोक्ताओं के सेंटीमेंट्स भारत की पॉजिटिव आर्थिक स्थिति का संकेत दे रही है, जिसकी वजह एक्सपोर्ट्स और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को बताया गया है।

कीमतों पर नियंत्रण के लिए गेहूं भंडारण की सीमा घटाई

नईदिल्ली. एजेंसी

केंद्र सरकार ने बुधवार को खुदरा और रिटेल व्यापारियों के लिए गेहूं भंडारण की सीमा को घटा दिया है। यह कदम गेहूं की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार द्वारा निरंतर किए जाने वाले प्रयासों का हिस्सा है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के बयान के अनुसार, थोक व्यापारियों के लिए गेहूं के भंडारण की सीमा 2,000 मीट्रिक टन से घटाकर 1,000 मीट्रिक टन जबकि खुदरा व्यापारियों के लिए 100 मीट्रिक टन से घटाकर 50 मीट्रिक टन कर दिया गया है। निचली भंडारण सीमा का उद्देश्य जमाखोरी को रोकना है। गेहूं का भंडार करने वाली संस्थाओं को गेहूं स्टॉक लिमिट पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। कोई भी संस्था जिसने भंडार सीमा का उल्लंघन किया, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा के तहत उचित दंडात्मक कार्रवाई के अधीन होगी। वहीं अगर भंडार सीमा से अधिक हैं, तो उन्हें अधिसूचना जारी होने के 15 दिनों के भीतर भंडारण की सीमा में लाना होगा। खाद्य विभाग कीमतों को नियंत्रित करने और देश में आसान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गेहूं के भंडारण की स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है।

कोका-कोला ने 40 फीसदी हिस्सेदारी जुबिलेंट भरतिया समूह को बेची

नईदिल्ली. एजेंसी

कोका-कोला ने भारत में अपने बॉटलिंग कारोबार हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड (एचसीसीबीएल) में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी जुबिलेंट भरतिया समूह को बेच दी है। हालांकि, कंपनी ने इस सौदे से जुड़ी राशि का खुलासा नहीं किया है लेकिन कुछ रिपोर्ट में इसके लगभग 12,500 करोड़ रुपए होने की बात कही गई है। दोनों कंपनियों की तरफ से जारी एक संयुक्त बयान में इस हिस्सेदारी बिक्री की जानकारी दी गई। जुबिलेंट भरतिया समूह विविध क्षेत्रों में वैश्विक उपस्थिति वाला कई अरब डॉलर वाला समूह है। एचसीसीबीएल भारत में कोका-कोला की सबसे बड़ी बॉटलिंग इकाई है। कोका-कोला इंडिया के अध्यक्ष संकेत रे ने कहा कि हम भारत में कोका-कोला की प्रणाली में जुबिलेंट भरतिया समूह का स्वागत करते हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

जब श्रीदेवी के साथ सीन करने पर घबराए अक्षय कुमार, निर्देशक ने खोली पोल

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार श्रीदेवी के साथ शूटिंग में थोड़ा घबरा जाते थे। इस बात का खुलासा 'मेरी बीवी का जवाब नहीं' फिल्म निर्देशक पंकज पराशर ने किया है। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार इंडस्ट्री में काफी चर्चा में रहते हैं। अक्षय कुमार अपनी फिल्मी कहानी, डायलॉग के कारण काफी चर्चा में रहते हैं। हाल ही में मेरी बीवी का जवाब नहीं डायरेक्टर पंकज पराशर ने श्रीदेवी की कुछ बातों को याद किया है। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान अक्षय कुमार बहुत नर्वस हो गए थे। श्रीदेवी ने उनसे पहले से रिहर्सल करने की सलाह भी दी थी। सिद्धार्थ खन्ना के यूट्यूब चैनल पर पंकज पराशर ने अक्षय कुमार के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि साल 1994 में अक्षय कुमार सिनेमा में नए थे। वे उन दिनों श्रीदेवी के साथ काम करने में झिझकते थे। उन दिनों श्रीदेवी बहुत बड़ी स्टार थीं। पंकज पराशर ने बताया, फिल्म की शूटिंग के दौरान एक कोर्ट रूम सीन था, जिसके अक्षय ने 36 टेक लिए थे। इसको लेकर श्री देवी अपना धैर्य खो बैठीं और उन्होंने मुझसे कहा कि अक्षय को रिहर्सल करवाओ यार। हम पहले ही 36 टेक ले चुके हैं। उन्होंने कहा कि वे कोर्ट रूम का सीन था, कई बड़े डायलॉग्स भी वहां बोलने थे। अगर मैं मना कर देता तो ये अक्षय के आत्मविश्वास को खत्म कर देता। अक्षय ने जब अच्छा शॉट दिया तो टीम ने उनके लिए तालियां बजाईं। उन्हें इंडस्ट्री में काफी समय से काम करने का एक्सपीरियंस रहा है।

फिटनेस के लिए जाने जाते अभिनेता

अभिनेता अक्षय कुमार अपनी फिटनेस के लिए जाने जाते हैं। पंकज ने इसे लेकर कहा कि वे सुबह 5 बजे उठ जाते थे और मुझे भी उठाते थे। वे मुझे योग करवाते थे। उन्होंने मुझे कुछ आसन भी सिखाए और उसे करते रहने की प्रेरणा भी दी। उनकी एनर्जी बहुत ही खास है। बता दें मेरी बीवी का जवाब नहीं की शूटिंग 1994 में हुई थी, लेकिन इसकी रिलीज में एक दशक से ज्यादा की देरी हुई। ये फिल्म 2004 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

शाहरुख, अबराम और आर्यन धमाल मचाने को तैयार, इस दिन से शुरू हो रही एडवांस बुकिंग

'मुफासा- द लॉयन किंग' का इंतजार कर रहे बच्चों और उनके अभिवावकों के लिए खुशखबरी हैं। ये फिल्म इसी महीने सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली हैं। खास बात ये है कि हिंदी फिल्म दर्शकों को इसमें शाहरुख खान और उनके बेटों की आवाज सुनने को मिलेगी। बच्चों के साथ फिल्म देखने के लिए पूरा साल इंतजार करते रहे अभिभावकों के लिए खुशखबरी है। पांच साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'द लॉयन किंग' के पहले की कहानी लेकर आई डिज्नी की फिल्म 'मुफासा- द लॉयन किंग' जल्द ही आपके नजदीकी सिनेमाघरों तक पहुंच रही है। हिंदी फिल्म दर्शकों के लिए डिज्नी ने इस बार भी खास तैयारी की है और फिल्म के मुख्य किरदार मुफासा की डबिंग शाहरुख खान ने पूरी कर ली है। फिल्म में छोटे मुफासा की आवाज बने हैं शाहरुख के बेटे अबराम और सिंबा के किरदार को आवाज दे रहे हैं आर्यन खान। फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू होने की तारीख भी तय हो गई है। फिल्म 'मुफासा- द लॉयन किंग' पहली फिल्म है जिसके जरिये पहली बार किसी फिल्म में सुपरस्टार शाहरुख खान और उनके बेटे आर्यन के साथ अब परिवार के तीसरे खान अबराम का भी नाम जुड़ गया है। जी हां, बाप-बेटों की ये तिकड़ी फिल्म 'द लॉयन किंग' के पहले की कथा सुनाती इसकी प्रीक्वल 'मुफासा- द लॉयन किंग' के हिंदी संस्करण की डबिंग पूरी कर चुकी है। फिल्म 'मुफासा' का हिंदी ट्रेलर जारी हो चुका है और भारत समेत दुनिया के दूसरे देशों में भी बसे भारतीयों के बीच ये ट्रेलर खूब चाव से देखा जा रहा है। 20 दिसंबर को रिलीज होने जा रही इस फिल्म के लिए शाहरुख खान ने जो तमाम वीडियो शूट किए हैं, वे भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं। शाहरुख खान ने अपने बचपन से लेकर कामयाबी पाने तक के सफर को बहुत कुछ 'मुफासा' जैसा ही बताया है। वह कहते हैं, फमुफासा के किरदार में और मेरे अपने जीवन में काफी कुछ समानताएं हैं। मुफासा बचपन में अपने माता-पिता खो देता है और मेरी कहानी भी कुछ कुछ ऐसी ही है क्योंकि मैंने भी बहुत कम उम्र में अपने सिर से अपने अभिभावकों का हाथ खो दिया था। मैं भी आधा अनाथ ही हूं। जिनके माता-पिता नहीं होते, वे अनाथ ही तो होते हैं।

हां, मैंने सरोजनी नगर के कपड़ों से बनाया फैशन: भूमि

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर के लिए फैशन वह है जो सरल, सहज और सामाजिक हो। उन्हें महंगे कपड़े या फिर डिजाइनर कपड़ों में नहीं बल्कि दिल्ली के सरोजनी नगर के कपड़ों में भी फैशन नजर आता है। पर्यावरण सुरक्षा को लेकर शुरू से मुखर रहीं अभिनेत्री भूमि पेडनेकर फैशन के जरिये भी समाज को मुखर बनाने का दम भरती रही हैं। वह मानती हैं कि एक महिला अपने तौर तरीकों, खुद को समाज में प्रस्तुत करने के ढंग और अपने लिबास से परिवर्तन की प्रहरी बन सकती है। भूमि का ये स्पष्ट मानना रहा है किसी भी नई चीज को अपनाने के लिए उसके बारे में जानकारी होना बहुत जरूरी है। वह कहती हैं, फैशन को लेकर ये समझना बहुत जरूरी है कि इसका सहज, सरल और सामाजिक होना अनिवार्य है। सिर्फ महंगे वस्त्र या डिजाइनर कपड़ों से ही फैशन होता है, ये भी सही नहीं है। फैशन सामाजिक बदलाव का एक बहुत बड़ा मानक है, ये बात मैं शुरू से मानती रही हूं। हमारे आसपास के वातावरण को संभालने में फैशन किस तरह काम आ सकता है, इस बारे में भूमि कहती हैं, पर्यावरण संरक्षण पर काम करने के दौरान ही कोरोना संक्रमण काल के बाद मैंने फैशन के इस पहलू के बारे में लोगों को जागरूक करना शुरू किया। हम लोग जब दिल्ली में थे तो मैं सरोजनी नगर से ही कपड़े लाती थी। फिर उनमें अपनी सोच के हिसाब से मोहल्ले के टेलर मास्टर से बदलाव कराती और नई ड्रेस तैयार कर लेती। भूमि पेडनेकर के मुताबिक, हमारे लिबास हमारे व्यक्तित्व की पहली बनागी होते हैं और इसका सबसे सुंदर उदाहरण मैं अभिनेत्री रेखा जी को मानती हूं। उनका आकर्षण उनके लिबास को देखकर जो बनता है, उससे न जाने कितने लोग प्रभावित हुए हैं। लोगों ने भी अब सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनके जैसा दिखना शुरू कर दिया है। नई सोच का फैशन आज हर तरफ डिमांड में है। लेकिन, भूमि कहती हैं, फफैशन वही अच्छा लगता है जो हमारे आसपास के वातावरण के मुताबिक हो।

नजीराबाद के कस्बे में बेटी की शादी कराने से मना करने पर वर पक्ष ने मांगी रकम

झगड़े की रस्म में मांगे दस लाख, पुलिस ने दर्ज की दहेज की एफआईआर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नजीराबाद थाना क्षेत्र स्थित एक कस्बे में हैरतअंगेज मामला सामने आया है। हालांकि यह मामला आम आदमी के लिए हैरतअंगेज है, जबकि एक समुदाय के लिए यह प्रथा है। प्रथा के अनुसार बचपन में शादी तय हो जाती है। युवावस्था में शादी तोड़ने वाले पक्ष को झगड़े की रस्म पूरी करनी होती है। हुआ कुछ ऐसा ही वधु पक्ष ने शादी करने से इंकार कर दिया तो वर पक्ष ने झगड़े की रस्म में वधु के पिता से दस लाख रुपए की मांग कर दी। वधु के पिता ने घटना की शिकायत नजीराबाद पुलिस से की थी। पुलिस ने दहेज की मांग करने का मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार एक कस्बे में रहने वाले सख्श ने शिकायत करते हुए बताया कि उनकी बेटी की शादी फूलसिंह से तय हुई थी। फूलसिंह के बड़े भाई मंगीलाल है। किसी कारण से वह अपनी बेटी की शादी फूलसिंह से नहीं कराते हुए कहीं और कराना चाहते हैं। इस पर फूलसिंह और मांगीलाल ने झगड़े की रस्म में दस लाख रुपए की मांग कर रहे है। पुलिस ने वधु के पिता की शिकायत पर फूलसिंह और मांगीलाल पर दहेज की मांग करने का प्रकरण दर्ज कर लिया है। जांच में यह बात आई सामने पुलिस ने प्रकरण की जांच की तो पता चला कि दोनों पक्ष राजगढ़ इलाके के रहने वाले हैं। उनके समाज में बचपन में शादी तय हो जाती है। फूलसिंह की भी शादी तय हो गई थी। इस दौरान इसी वर्ष मार्च महीने में वधु किसी युवक के साथ चली गई। परिजन ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। वह नाबालिग थी पुलिस ने अपहरण की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। दो महीने बाद नाबालिग लौट आई। पुलिस ने उक्त मामले में 9 लोगों को आरोपी बनाया था। नाबालिग ने बयान में बताया था कि उसके साथ युवक ने शारीरिक संबंध बनाए है। लिहाजा बलात्कार और पाक्सो एक्ट की धाराओं में एफआईआर करते हुए 6 आरोपियों की गिरफ्तारी भी की जा चुकी है। नाबालिग लौटी तो बनाने लगे दबाव यह बात जानते हुए भी नाबालिग किसी के अन्य के साथ चली गई थी। उसके लौटते ही फूलसिंह ने शादी की इच्छा जताई। फूलसिंह के भाई मांगीलाल ने भी नाबालिग के पिता पर शादी का दबाव बनाया। जब नाबालिग के पिता ने शादी से इंकार किया तो उन्होंने झगड़े की रस्म में दस लाख रुपए की मांग कर दी। आरोपी पक्ष इसे दहेज प्रताड़ना और अड़ीबाजी

70 साल की बुजुर्ग मां को बेटे ने घर से निकला, मकान पर कब्जा

भोपाल। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में बेटे द्वारा 70 साल की बुजुर्ग मां को घर से बेदखल करने का मामला सामने आया है। बुजुर्ग मां ने जहांगीराबाद पुलिस थाने में बेटे के खिलाफ शिकायत की है। पुलिस ने आरोपी बेटे पर माता-पिता का भरण-पोषण अधिनियम की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आकाश स्वीट्स के पास जहांगीराबाद निवासी मेहमूदा बी पत्नी स्व. अब्दुल रफीक (70) गृहणी हैं। पति की मौत हो चुकी है। करीब एक महीने पूर्व वह बीमार हो गई थीं। मेहमूदा बी की बहन लईका बी ने उन्हें भोपाल अस्पताल करोंद में भर्ती करा दिया था। करीब 10 दिन तक वह अस्पताल में भर्ती रही। उनका आरोप है कि अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान उनका बेटा रईस उन्हें देखने नहीं पहुंचा। अस्पताल से छुट्टी होने के बाद जब वह घर पहुंची तो रईस ने उन्हें घर में घुसने नहीं दिया। रईस ने अपनी मां का आयुष्मान कार्ड भी अपने पास रख लिया है। मां ने कहा कि इलाज कराने के लिए उसने आयुष्मान कार्ड चाहिए, लेकिन बेटे ने कार्ड देने से मना कर दिया। इतना ही नहीं, रईस ने अपनी मां को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित महिला का कहना है कि उनके बेटे ने उनके पति के नाम पैतृक मकान पर कब्जा कर लिया है। मकान की दुकान का किराया भी रईस अपनी मां नहीं दे रहा है।

लोगों से पेपर लेकर फेडरल बैंक में खाता खुलवाकर, जालसाजों को पांच हजार में बेचता था

कम ब्याज पर लोन दिलाने के नाम पर खाता खुलाने वाला बदमाश गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर पुलिस ने साइबर जालसाजों को बैंक खाते और सिम मुहैया कराने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी तरीके से करेंसी एक्सचेंज करने वाले गिरोह को बैंक खाते, सिम मुहैया कराता था। गिरोह के सरगना समेत दो जालसाजों की पुलिस तलाश कर रही है। गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह स्लम एरिया में रहने वाले लोगों को कम ब्जाज पर लोन दिलाने का झांसा देकर उनके दस्तावेज ले लेता है।

इसके बाद फेडरल बैंक एमपी नगर में उनके नाम के खाते खुलवाकर 5 हजार रुपए में बेच देता था। पुलिस ने उसके पास से फर्जी तरीके से खुलवाए गए 4 बैंक अकाउंट की पासबुक, 4 फर्जी सिम कार्ड, पासपोर्ट की कॉपी जब्त की है। इसके अलावा 4 सिम कार्ड मिले हैं, जो अलग-अलग लोगों के हैं।

चारों सिम कार्ड उन बैंक अकाउंट से जुड़े हैं। आतिफ ने बताया कि वह सिम कार्ड का उपयोग सिर्फ पैसे ट्रांसफर करने के लिए करता था।

जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति लोगों को कम ब्याज पर लोन दिलाने का प्रलोभन दे रहा है बदले में उनसे दस्तावेज ले रहा है।

पुलिस ने मिनाल रेसीडेंसी गेट नंबर-4 के पास पास से संदिग्ध को पुलिस ने हिरासत में लिया। पूछताछ में उसनकी पहचान ललितपुर, उत्तरप्रदेश निवासी 30 वर्षीय आतिफ खान के रूप में की गई। उसने बताया कि वह वर्तमान में सनखेड़ी कोलार में रहकर स्लम एरिया में रहने लोगों से उनके दस्तावेज ले लेता है। इसके बाद उनके दस्तावेज से फर्जी खाते खुलवाता है। जिसे वह साइबर ठग, करंसी एक्सजेंच करने वाले गिरोह को अपनी गैंग के मुखिया के जरिए बेच देता है।

अजय शर्मा, पंकज सेन को दिए बैंक अकाउंट

आरोपी आतिफ ने बताया कि उसका सरगना अजय शर्मा है। उसके लिए फर्जी बैंक खाते खुलवाने का काम करता है। अजय शर्मा का करीबी दोस्त पंकज सेन उसकी मदद करता है। पुलिस का कहना कि आतिफ के बताए अनुसार अजय शर्मा और पंकज सेन की तलाश की जा रही है। उनके गिरफ्तार होने के बाद ही पूरे गिरोह का फंडाफोड़ हो सकेगा। पुलिस ने दोनों के ठिकानों पर दबिश दी थी, लेकिन दोनों फरार थे।

बायनेंस कॉम एक्सचेंज के माध्यम से यूएसडीटी

आरोपी आतिफ ने पूछताछ में बताया कि अजय शर्मा बायनेंस कॉम एक्सजेंज ऐप के जरिए वह यूएसडीटी का काम करता है। इसके साथ ही वह साइबर फ्रॉड गिरोह से भी जुड़ा है। उन्हें भी वह खाता देता है।

आतिफ ने बताया कि वह फेडरल बैंक में जब खाता खुलवाने पहुंचता है तो वह अजय शर्मा का नाम बता देता है। इससे उसका बैंक अकाउंट खुल जाता था। पुलिस को आशंका है कि अजय शर्मा की बैंक कर्मचारियों से साठगांठ हो सकती है। पुलिस इसकी जांच कर रही है। पूरे मामले में दो बैंककर्मियों की भूमिका संदेहस्पद मिली है।

ओवर ट्रांजेक्शन के बाद ब्लॉक कराते थे अकाउंट

पुलिस को गिरफ्तार आरोपी आतिफ के पास चार बैंक अकाउंट की पासबुक मिली हैं। उनमें एक अकाउंट की जानकारी पुलिस ने बैंक से जुटाई, जिसमें 20 दिन में उस अकाउंट में करीब 40 लाख रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ। ओवर ट्रांजेक्शन होने के बाद आरोपी खुद ही उस अकाउंट को ब्लॉक करा देते हैं। जिससे कि उनके गोरखधंधा का पता नहीं चल सके।

घर में लगी आग से झुलसी बुजुर्ग महिला की मौत

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित गांव पढरिया काछी में गत 27 नवंबर की रात घर में आग लग गई थी। इस आगजनी में घर में रहने वाले दंपती झुलस गए। आसपास रहने वाले रिश्तेदार उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। इस आगजनी में गंभीर रूप से झुलसी बुजुर्ग महिला की बुधवार 11 दिसंबर की सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद रिश्तेदारों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार पढरिया काछी निवासी 67 साल के कमल सिंह लकवाग्रस्त थे। वे 61 साल की पत्नी कृष्णा के साथ अकेले रहते थे। उनकी पत्नी कृष्णा मूकबधिर है। दोनों की संतान नहीं थी। वह यहां पक्के मकान में अकेले रहते थे। उनके मकान के आसपास रिश्तेदार रहते हैं। बुधवार रात 27 नवंबर की रात करीब 11 बजे उनके घर से धुंआ उठता देख रिश्तेदार पहुंचे थे। इस दौरान बिस्तर पर सो रहे कमल सिंह और उनकी कृष्णा आग से झुलसे हुए नजर आए। किसी तरह आग बुझाने के बाद रिश्तेदारों ने उन्हें हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान गुरुवार 28 नंबवर की सुबह कमल सिंह की मौत हो गई, जबकि कृष्णा का इलाज चल रहा था। बुधवार 11 दिसंबर की सुबह कृष्णा की तबीयत बिगड़ी और उनकी भी मौत हो गई। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई कि कमल सिंह बीड़ी पीने के आदी थे। अनुमान है कि बीड़ी जलाते समय जलती तीली फेंकने से बिस्तर में आग भड़की थी। इसी से हादसा हुआ था।

स्टेशन पर युवक का मोबाइल झपटकर भागा बदमाश, 24 घंटे में आधा दर्जन यात्रियों के सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल से गुजरने वाली यात्री ट्रेनों में लूटपाट और चोरी की सिलसिला जारी है। इंदौर पटना एक्सप्रेस में सवार एक युवक के मोबाइल फोन झीनकर बदमाश भाग निकला। घटना के समय ट्रेन संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर खड़ी थी। इधर पिछले चौबीस घंटों के दौरान करीब आधा दर्जन यात्रियों के मोबाइल फोन और अन्य सामान चोरी चला गया। जानकारी के अनुसार मूलत- केरला का रहने वाला श्रीजीत एएस (22) फिलहाल इंदौर में रहता है। पिछले दिनों वह इंदौर पटना एक्सप्रेस में बैठकर वाराणसी जा रहा था। श्रीजीत कोच के गेट पर बैठकर मोबाइल चल रहा था। संत हिरदाराम नगर स्टेशन से ट्रेन जैसे ही चलने लगी, वैसे ही एक बदमाश ने उसके हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल छीन लिया। लूटे गए मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपये बताई गई है। इसी प्रकार नागपुर निवासी मधु टेंभुर्णीकर (42) का तिरुपति स्पेशल ट्रेन से एक बैग चोरी चला गया। चोरी गए बैग में एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, क्रेडिट कार्ड, ड्रायविंग लायसेंस, आरसी बुक, मतदान कार्ड, नकदी, कपड़े समेत अन्य सामान रखा हुआ था। वह उज्जैन से नागपुर की यात्रा कर रही थी, तभी भोपाल स्टेशन पर किसी ने बैग चोरी कर लिया। इसी प्रकार मेरठ उत्तर प्रदेश निवासी विलास कुमार केरला एक्सप्रेस में नई दिल्ली से तिरुपति की यात्रा कर रहे थे। भोपाल स्टेशन पर किसी ने उनका बैग चोरी कर लिया। बैग में नगदी और कपड़े समेत करीब 27 हजार का सामान रखा था। जेब से 32 हजार का मोबाइल चोरी रेहटी जिला सीहोर निवासी अभिषेक ठाकुर पंचवेली एक्सप्रेस के जनरल कोच में मक्सी से औबेदुल्लागंज की यात्रा कर रहे थे। भोपाल स्टेशन से ट्रेन चलने के बाद उन्होंने देखा तो जेब में रखा 32 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन चोरी हो चुका था। इसी प्रकार जयपुर एक्सप्रेस में नागपुर की यात्रा कर रही नेहा वेदी का लेडीज पर्स चोरी हो गया। पर्स में 7 हजार रुपये नकदी और अन्य सामान रखा हुआ था। बुजुर्ग की जेब से उड़ाया मोबाइल महाराष्ट्र निवासी अमनजोत सिंह (67) गरीबरथ एक्सप्रेस से दिल्ली से भोपाल आए थे। ट्रेन से उतरने के बाद उन्होंने नई बिल्डिंग के पास अपना बैग जमीन पर रखा। इसी दौरान किसी ने उनकी जेब में रखा 14 हजार रुपये कीमत का मोबाइल फोन और आई कार्ड चोरी कर लिया। इसी प्रकार छतरपुर निवासी अनूप कुशवाह अपनी पत्नी को रिसीव करने के लिए भोपाल स्टेशन पहुंचा था।

घर के सामने खड़ी बाइक ले उड़े बदमाश

भोपाल। टीला जमालपुरा इलाके में घर के सामने खड़ी एक युवक की बाइ चोरी चली गई। कई अन्य इलाकों से भी दोपहिया वाहन चोरी हुए हैं। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मोहम्मद अरहम (19) हाउसिंग बोर्ड कालोनी राजीव नगर थाना निशातपुरा में रहता है और दूध डेयरी चलाता है। पिछले दिनों वह बकरी वाली मस्जिद की पीछे टीला जमालपुरा में रहने वाले अपना नाना के घर गया था। उसने अपनी बाइक नाना के घर के सामने खड़ी की और काम से चला गया। बाद में घर पहुंचा तो उसकी बाइक चोरी हो चुकी थी। इधर हबीबगंज स्थित फ्रैक्चर अस्पताल की पार्किंग में खड़ी विभू नायक, इंद्रपुरी पिपलानी स्थित बुक स्टाल के सामने से वीरभद्र राव और गौतम नगर स्थित कंट्रोल दुकान के सामने से साहिल खान की बाइक चोरी हो गई। इसी प्रकार नजीराबाद थानांतर्गत ग्राम रुनाहा से लखन सिंह की घर के सामने खड़ी बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मैनिट के छात्रों ने शुरू किया शक्ति कैफे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल पुलिस कमिश्नरेट की सामुदायिक पुलिस योजनाओं के अंतर्गत स्टूडेंट इंटर्नशिप प्रोग्राम से जुड़े मैनिट के छात्रों ने महिला थाने पर एक नया प्रयोग किया है। यहां वेस्ट मटेरियल के उपयोग से इको फ्रेंडली कैंटीन का निर्माण किया है। इस कैंटीन के निर्माण में मैनिट के आर्किटेक्चर के छात्रों ने अपना योगदान दिया। उल्लेखनीय है कि पुलिस स्टूडेंट इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत भोपाल पुलिस कमिश्नरेट प्रतिवर्ष विभिन्न कॉलेज यूनिवर्सिटी के छात्रों को पुलिस की कार्यप्रणाली और जनसेवा के कार्यों से जोड़ती है। उन्हें जनोन्मुखी कानून व्यवस्था लागू करने तथा एक अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा देने के लिए उनको संस्कारित करती है। इसी तारतम्य में मैनिट के छात्रों ने यह कैंटीन तैयीर की है। यह कैंटीन महिला थाना में स्थित है, जिसे महिला कर्मी ही संचालित करेंगी। महिलाओं की स्वालंबन योजनाओं को प्रभावी बनाने के लिए शक्ति कैफे के नाम से यह योजना लागू की गई है, जो विभिन्न थानों में अपराध से पीड़ित महिलाओं को संबल प्रदान करने के लिए तथा आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए सक्रिय हैं। इस नव सुसज्जित कैंटीन का शुभारंभ मैनिट की छात्राओं द्वारा किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

जोन क-08 यांत्रिक विभाग

निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र

क्र. 278/यां.वि./2024 भोपाल, दिनांक. 11.12.2014

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेन्टेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आंमत्रित की जाती है।

S. No.	Tender ID	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs. in lakh)	Earnest Money Deposit (EMD) (In Rs)	Cost of Bid Document (In Rs)	Period of Completion (in Months)	SOR
1.	2024_UAD_376942_2	PROVIDING AND FIXING OF SHED AND CHABUTRA AT DIFFERENT PLACES WARD-29 ZONE-08 Estimate no. 2020222134	169490/-	3390/-	1000/-	01 months	MPUADD building 2021
2.	2024_UAD_377498_2	REPAIRING AND MAINTAINANCE OF PARK IN FRONT OF RAJDEEP WARD-29 Z08 Estimate no. 2020222178	172827/-	3457/-	1000/-	01 months	MPUADD building 2021
3.	2024_UAD_377328_2	REPAIRING AND MAINTAINANCE OF PARK NEAR S512 WARD29 ZONE08 Estimate no. 2020222174	173249/-	3465/-	1000/-	01 months	MPUADD building 2021

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/ 2. The Bid Document can be purchased only online from 10:30A.M. (time) 12.12.2024 (date) to 17:30P.M. (time) 26.12.2024 (date). 3. Amendments to NIT, if any, would be published on website https://www.mptenders.gov.in/ only, and not in newspaper. **The initial period of 05 (five year after completion shall be treated as Defect Liability Period (DLP).**

सहायक यंत्री (सिविल) जोन क्र. 08
नगर निगम भोपाल

नि.क्र. 915/024/025

मेट्रो एंकर डीजीपी ने की सीआईडी, सतर्कता एवं तकनीकी सेवा शाखा की समीक्षा

पुलिस मुख्यालय स्तर पर 9 से प्रारंभ हुआ समीक्षा का क्रम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में शांति एवं कानून व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण एवं पीड़ित पक्ष को त्वरित राहत उपलब्ध कराने डीजीपी कैलाश मकवाणा ने शाखाओं की गहन समीक्षा करनी शुरू कर दी है। अपराधियों में कानून का भय स्थापित करने के उद्देश्य से पूरे पुलिस तंत्र में कसावट लाने के लिए उन्होंने गत 9 दिसंबर से पुलिस की सभी शाखाओं की गहन समीक्षा प्रारंभ की है। उन्होंने सोमवार 9 दिसंबर को प्रशासन शाखा, मंगलवार 10 दिसंबर को विशेष शाखा और बुधवार 11 दिसंबर को सीआईडी, सतर्कता एवं तकनीकी सेवा शाखाओं की समीक्षा की। इस दौरान आवश्ययक निर्देश भी दिए। शाखाओं की समीक्षा 26 दिसंबर तक की जाएगी। डीजीपी ने निर्देशित किया कि अपराधों की जांच में साइबर फॉरेंसिक डेटा एनालिटिक्स, और जीपीएस तकनीक का उपयोग बढ़ाया जाए। साथ ही विवेचना अधिकारियों को नवीनतम तकनीक के उपयोग के लिए सतत प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि एसडीओपी, सीएसपी, एसीपी स्तर के अधिकारी पर्यवेक्षण मैं सुधार लाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी प्रकरणों की विवेचना समय पर और निष्पक्षता से की जाए। मामलों के निराकरण के लिए आवश्यक संसाधनों का समुचित प्रबंधन किया जाए। लंबित प्रकरणों के लिए विशेष अभियान चलाए गुमशुदा व्यक्तियों को खोजने के लिए सीसीटीवी डाटाबेस, और विभिन्न तकनीकों का प्रयोग किया जाए तथा गुमशुदगी प्रकरणों की प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए। साथ ही देश के अन्य राज्यों की सफल नीतियों और कार्यप्रणालियों का अध्ययन किया कर प्रेक्टिसेस को राज्य में लागू करने के लिए एक समर्पित टीम का गठन किया जाए।

महिला पुलिसकर्मी को कार ने मारी टक्कर

भोपाल। जहांगीराबाद इलाके में तेज रफ्तार कार ने स्कूटर सवार महिला पुलिसकर्मी को टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस के मुताबिक रेडियो कालोनी भदभदा रोड निवासी रेखा तिवारी पुलिस मुख्यालय में नौकरी करती हैं। पिछले दिनों शाम करीब साढ़े पांच बजे वह पुलिस मुख्यालय से अरेरा हिल्स स्थित निर्माण भवन जा रही थी। बेटरनरी अस्पताल जहांगीराबाद के सामने पहुंची, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार कार चालक ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही रेखा सड़क पर गिरकर घायल हो गईं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022